राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 245 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार , 02 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

आम जनता पर फिर पड़ी महंगाई की मार

घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 25 रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर के दाम में 25 रुपए तक का इजाफा किया गया है। दिल्ली में बिना सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर अब 25 रुपए महंगा होकर 819 रुपए हो गया है, पहले ये 794 रुपए था। 2021 में ही रसोई गैस सिलेंडर 125 रुपए महंगा हुआ है। 1 जनवरी को इसकी कीमत 694 रुपए थी जो अब 819 रुपए है।

फरवरी में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 3 बार बढ़े थे। सरकार ने 4 फरवरी को एलपीजी के दाम में 25 रुपए का इजाफा किया था। उसके बाद 15 फरवरी को 50 रुपए और 25 फरवरी को 25 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी।

1 दिसम्बर को घरेलू गैस सिलेंडर 594 रुपए से बढ़कर 644 रुपए हुए थे। 1 जनवरी को फिर से 50 रुपए बढ़ाए गए, जिसके बाद 644 रुपए वाला सिलेंडर 694 रुपए हो गया। 4 फरवरी को की गई बढ़ोत्तरी के बाद इसकी कीमत 694 रुपए से बढ़कर 719 रुपए हो गई है। 15 फरवरी को 719 रुपए से 769 रुपए हुई और 25 फरवरी को 25 रुपए दाम बढे से इसकी कीमत 769 रुपए से 794 रुपए पर आ गई थी। अब आज की बढ़ोतरी के बाद इसकी कीमत 819 रुपए पर पहुंच गई है।

जनवरी में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एनपीजी की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया था। हालांकि दिसंबर में दो बार कमर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। दिसंबर में दिल्ली में कमर्शियल गैस सिलेंडर 91.50 रुपए मंहगा हुआ था। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 100 रुपए का इजाफा हुआ था।

सरकार एक साल में प्रत्येक गैस कनेक्शन के लिए 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडरों पर सब्सिडी देती है। ग्राहक को हर सिलेंडर पर सब्सिडी समेत कीमत चुकानी होती है। बाद में सब्सिडी का पैसा खाते में वापस आ जाता है। अगर ग्राहक इससे ज्यादा सिलेंडर लेना चाहते हैं तो उन्हें बाजार मूल्य पर खरीदना होता है। तेल कंपनियां हर महीने एनपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। इनमें बढ़ोतरी या कमी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत और अमेरिकी डॉलर के एक्सचेंज रेट पर निर्भर करती है।

19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर 90.50 रुपए महंगा हुआ है। अब दिल्ली में इस सिलेंडर की कीमत 1614 रुपए हो गई है। उसी तरह मुंबई का रेट अब 1563.50 रुपए प्रति सिलिंडर हो गया है।

पीएम मोदी ने लगवाई कोरोना वैक्सीन की पहली डोज

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित एम्स अस्पताल में कोरोना वायरस वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट किया, मैंने एम्स में कोविड-19 वैक्सीन की अपनी पहली खुराक ली। उल्लेखनीय है कि कैसे हमारे डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने कोरोना महामारी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए काम किया है। मैं उन सभी से अपील करता हूं, जो वैक्सीन लेने के लिए योग्य हैं, वे इसे जरूर लें। आइए, हम सब साथ मिलकर भारत को कोविड-19 मुक्त बनाएं। पीएम मोदी ने भारत बायोटेक की कोवैक्सिन वैक्सीन लगवाई है। बता दें कि कोवैक्सिन नामक टीके को भारत बायोटेक ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर विकसित किया है।

पीएम मोदी को कोरोना वैक्सीन देने वालीं सिस्टर पी. निवेदा ने बताया, पीएम मोदी को भारत बायोटेक की कोवैक्सीन की पहली डोज दी गई है। दूसरी डोज 28 दिन बाद दी जाएगी। वैक्सीनेशन के दौरान पीएम मोदी ने पूछा कि हम कहां से हैं। टीका लगने के बाद उन्होंने कहा- लगा भी दी, पता ही नहीं चला।

पुदुचेरी की सिस्टर पी. निवेदा ने पीएम मोदी को भारत बायोटेक वैक्सीन की खुराक दी। तस्वीर में सिस्टर निवेदा के अलावा केरल की रहने वाली एक अन्य नर्स रोसम्मा अनिल भी दिख रही हैं। एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया भी इस मौके पर मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कोरोना का टीका लगावाकर कई विपक्षियों को करारा जवाब दिया है। दरअस, कई विपक्षी दलों के नेता भारत में निर्मित कोरोना वैक्सीन पर सवाल उठा रहे थे।

कई नेताओं ने तो यहां तक कह दिया था कि पहले प्रधानमंत्री मोदी कोरोना वैक्सीन लगवाएं, फिर हम लगाएंगे। ऐसे सभी नेताओं को अब पीएम मोदी ने जवाब दे दिया है। साथ ही पीएम मोदी के कोरोना का टीका लगवाने से आमलोगों में भी कोरोना वैक्सीन के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

बता दें कि भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान के तहत आम लोगों को आज से टीका लगना शुरू हो रहा है। आमजनों में 60 साल से अधिक और 45 साल से यादा उम्र के गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोग शामिल होंगे। को-विन 2.0 पोर्टल के साथ ही आरोग्य सेतु पर आज सुबह नौ बजे से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। ऐसे में तेजी से टीकाकरण देश में हो पाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुताबिक, आज से कोई भी व्यक्ति किसी भी केंद्र पर कोरोना का टीका लगवा सकता है। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में टीका लगेगा, निजी अस्पतालों में प्रत्येक खुराक के लिए 250 रुपये देने होंगे। इसमें 150 रुपये टीके के लिए और 100 रुपये सर्विस चार्ज होगा। हालांकि, उम्मीद की जा रही थी कि कोरोना वायरस की एक खुराक के लिए इससे कहीं यादा खर्च करने होंगे।

उपराष्ट्रपति ने लगवाई वैक्सीन- पीएम मोदी के बाद उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी वैक्सीन लगवाई। उन्होंने कहा, मैने चेन्नई के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में कोविड वैक्सीन की पहली खुराक ली। अगली खुराक 28 दिन बाद लगाई जाएगी।

टीकाकरण के इस चरण के पात्र सभी नागरिकों से अपील करता हूं कोरोना वायरस के विरुद्ध अभियान में आगे बढ़ कर शामिल हों और टीका लगवाएं।

नीतीश कुमार, नवीन पटनायक ने लगवाई वैक्सीन- बीहार के सीएम नीतीश कुमार और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कोरोना वायरस वैक्सीन की पहली डोज़ ली है। वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने वैक्सीन लगवाने के सवाल पर कहा कि मेरी उम्र 70 साल से ऊपर है। आपको इसे उन युवाओं को देना चाहिए, जिनके पास लंबा जीवन है। मेरे पास जीने के लिए 10-15 और साल हैं।

दिल्ली में 300 सेंटर्स- दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली में आज से वरिष्ठ नागरिकों, 45 वर्ष से अधिक उम्र के कोमोरबिड लोगों का वैक्सीनेशन शुरू हुआ है। 192 अस्पतालों में वैक्सीनेशन के लिए करीब 300 सेंटर बनाए गए हैं। हफ्ते में 6 दिन वैक्सीनेशन किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में वैक्सीनेशन मुफ्त है।

बंगाल में फतह करने की कांग्रेस ने शुरू की तैयारी, 28 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

कोलकाता, (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) ने चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के लिए 28 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की। पार्टी के वरिष्ठ नेता ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। राज्य में 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच विधानसभा चुनाव आठ चरणों में होने है।

कांग्रेस, चुनाव वाम दलों के साथ मिलकर लड़ रही है। महीने के अंत तक उनके बीच सीट बंटवारे पर समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों के कांग्रेस नेताओं को 294 सदस्यीय पश्चिम बंगाल विधानसभा के आठ चरणों में होने वाले चुनाव के लिए पर्यवेक्षक जिलों के लिए दो-दो पर्यवेक्षक बनाए हैं।

कांग्रेस ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए इस महीने के अंत तक उनके बीच सीट बंटवारे पर समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के बीच सीट बंटवारे पर समझौता के लिए बैठक हुई। वाम मोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस ने कहा कि हालांकि, भाजपा देश की सबसे बड़ी दुश्मन है, लेकिन बंगाल की स्थिति को देखकर लड़ाई तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों के खिलाफ है।

राज्य कांग्रेस के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी और वाम मोर्चा के बीच सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए आगे भी बैठक होगी। लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने कांग्रेस और वाम मोर्चा के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक तरफ सांप्रदायिक भाजपा और दूसरी तरफ फांसीवादी टीएमसी को हराने के लिए हमें लोकतांत्रिक गठबंधन के तौर पर मिलकर लड़ना होगा।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी और वाम मोर्चा के बीच सौहार्दपूर्ण और दोस्ताना माहौल में बातचीत हो रही है। चौधरी के विचारों से सहमति जताते हुए बोस ने कहा कि जनवरी में दोनों पार्टी द्वारा विधानसभा सीटों पर लड़ी जाने वाली सूची को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। बोस ने कहा, हम, वाम मोर्चा और कांग्रेस कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव लड़ना चाहते हैं ताकि राज्य और देश के लोगों को बचाया जा सके।

वाराणसी दौरे पर नड्डा की सुरक्षा में चूक

चंदौली, (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा वाराणसी के दौरे पर हैं। जहां सोमवार को चंदौली जिले के पंडित दीनदयाल स्मृति उपवन पड़ाव पहुंचे। इसी बीच सुरक्षा में सेंध लगाकर संदिग्ध युवक जेपी नड्डा के पास पहुंचने की कोशिश करने लगा। इसके बाद मौजूद जिला अध्यक्ष ने भीड़ से खींचकर युवक को बाहर निकालकर मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के हवाले कर दिया गया। युवक की पहचान राजू अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस की टीम युवक से पूछताछ में जुटी है। वाराणसी दौरे के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा चंदौली के पड़ाव में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति उपवन में पहुंच कर पंडित जी को नमन किया। भाजपा आईटी सेल के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ बैठक से पहले दीप जलाया। साथ ही कार्यकताओं को संबोधित कर रहे हैं। साथ ही स्मृति उपवन में वे भाजपा सोशल मीडिया के कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष और मंडल प्रभारियों के साथ बैठक करने वाले है। बैठक में संगठन की मजबूती और चुनाव की तैयारियों पर चर्चा होगी। इससे पहले सोमवार सुबह भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने बाबा दरबार में हाजिरी लगाकर गर्भ गृह के बाहर से बाबा शिखर देख नमन किया। इसके बाद अंदर प्रवेश कर मंदिर अर्चक डॉ श्रीकांत मिश्र के आचार्यत्व में षोडशोपचार पूजन हुआ। काशी विश्वनाथ के दर्शन कर मंदिर को देखा.। काशी विश्वनाथ धाम को देखा। मंदिर से आते समय राज्यमंत्री नीलकंठ तिवारी ने बाबा प्रसाद में अंग वस्त्र व एक शंख भेट किया।

भगोड़े मेहुल चोकसी की नागरिकता एंटीगुआ ने रद्द की

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत में पीएनबी बैंक को करोड़ों का चूना लगाकर भागने वाले कारोबारी मेहुल चोकसी की एंटीगुआ ने नागरिकता रद्द कर दी है। उसके वकील विजय अग्रवाल ने एक समाचार माध्यम से बातचीत में यह दावा किया था की एंटीगुआ और बारबूडा ने चोकसी की नागरिकता रद्द कर दी थी। एक सिविल कोर्ट में अपनी नागरिकता बचाने के लिए चोकसी लड़ाई लड़ रहा है, ऐसा दावा किया गया था। इस बीच सफाई जारी करते हुए अग्रवाल ने कहा, मेरे क्लाइंट मेहुल चोकसी ने साफ किया है कि वह एंटीगुआई नागरिक हैं। उनकी नागरिकता रद्द नहीं की गई है। कैरेबियन आईलैंड कंट्री एंटीगुआ और बारबूडा ने साल-2017 में चोकसी को निवेश कार्यक्रम के जरिए नागरिकता (सीआईपी) दी थी। एक मीडिया रिपोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इनेवेस्टिगेशन के अधिकारियों का हवाला दिया गया था। इस बीच एक अन्य रिपोर्ट में कहा है कि एंटीगुआ और बारबूडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन ने कहा कि चोकसी ने कानूनी रास्ता अख्तियार किया है और मसला सुलझने में करीब सात साल लगेंगे। प्रवर्तन निदेशालय ने कुछ समय पहले पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में मेहुल चोकसी की 14 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति जब्त की थी। इसके अलावा उसके भांजे और अपराध में साझीदार, नीरव मोदी को यूनाइटेड किंगडम (यूके) की एक अदालत से तगड़ा झटका लगा है। अदालत ने मोदी को किसी तरह की रियायत देने से इनकार कर दिया है। वेस्टमिंस्टर कोर्ट के जज सैमुअल गूजी ने साफ कहा कि नीरव को दोषी ठहराने लायक जरूरी सबूत मौजूद हैं। कोर्ट ने ये भी माना कि नीरव मोदी ने सबूत मिटाने और गवाहों को धमकाने की साजिश रची। अदालत के फैसले को अब साइन-ऑफ के लिए यूके की होम सेक्रेटरी प्रीति पटेल को भेजा जाएगा। परिणाम के आधार पर, दोनों ओर से उच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। 19 मार्च, 2019 को प्रत्यर्पण वारंट पर गिरफ्तार किए गए मोदी पर मनी लॉन्ड्रिंग, सबूत नष्ट करने और गवाहों को डराने की साजिश रचने का आरोप है।

राहुल गांधी का पीएम और आरएसएस पर करारा प्रहार, तमिल लोगों का नहीं करते सम्मान

चेन्नई । कांग्रेस नेता राहुल गांधी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार यानी आज कन्याकुमारी पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने एक रोड शो भी किया। रोड शो के दौरान राहुल गांधी ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस के मन में तमिल लोगों के लिए बिल्कुल भी सम्मान नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि हम तमिल संस्कृति का अपमान नहीं होने देंगे।

साथ ही राहुल ने यह भी कहा कि विधानसभा चुनाव एक संदेश देने वाला है। पहला यह है कि हमारा देश विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों, भाषाओं, इतिहासों का देश है, और हम सभी का सम्मान करते हैं। हम तमिल संस्कृति, भाषा और तमिल इतिहास को नीचा दिखाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस के प्रयास को स्वीकार नहीं करते हैं।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में सरकार तमिल की संस्कृति का सम्मान नहीं करती है। उनके पास एक मुख्यमंत्री (पलानीस्वामी) है, जो राय को प्रतिनिधित्व नहीं करता है। उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा जैसा आदेश मिलता है वैसा ही वह करते हैं।

राहुल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री एक देश, एक संस्कृति, एक इतिहास की बात करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या तमिल की संस्कृति भारतीय नहीं है? एक भारतीय होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम मोदी और आरएसएस को तमिल के लोगों का अपमान नहीं करने दें।

बता दें कि इससे पहले रविवार को भी राहुल गांधी गांधी ने तमिलनाडु पहुंच कर मोदी सरकार पर नई शिक्षा नीति को लेकर सवाल उठाए थे? यही नहीं ट्वीट कर किसानों से बातचीत को लेकर भी मन की बात कार्यक्रम शुरू होने से पहले उन्होंने यह हमला बोला था। गौरतलब है कि इस साल तमिलनाडु सहित पांच रायों में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनावी तारिखों का भी एलान हो चुका है। ऐसे में सभी पार्टियां चुनावी अभियान में जुटी हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा, विपक्ष से किया वैक्सीन लेने का अनुरोध

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने सोमवार को कोविड-19 वैक्सीन की खुराक लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जहां तक इम्यून पावर की बात है मैं शुरुआत से ही कह रहा हूं कि हमारे दोनों वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावी हैं। हम प्रधानमंत्री मोदी के शुक्रगुजार हैं, वो हमेशा हमें बताते हैं कि आपको उदाहरण बनना होगा। जब 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए वैक्सीनेशन की शुरुआत हुई तब उन्होंने सबसे पहले खुराक ली। उन्होंने विपक्षी नेताओं से कोविड-19 वैक्सीन लेने का अनुरोध किया और कहा कि इससे वैक्सीन को लेकर जो लोगों के मन में आशंकाएं हैं वो खत्म हो जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने वैक्सीन को लेकर लोगों के बीच उपजी गलतफहमियों को भी खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने कोवैक्सीन की खुराक ली जबकि इस वैक्सीन के बारे में काफी गलत जानकारियां फैली है जबकि इसे वैज्ञानिक तौर पर भी सटीक बता दिया गया है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्पष्ट संदेश दिया है। सभी तरह की झिझक और गलत सूचनाओं को खत्म करना है। उन्होंने विपक्ष समेत, प्रतिनिधियों व आम जनता से वैक्सीन लेने का अनुरोध किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने वैक्सीन के साइड इफेक्ट के बारे में बताया कि इससे सूजन या बुखार जैसे मामूली अस्वस्थता के लक्षण दिख रहे हैं। ऐसा सामान्य वैक्सीनेशन के दौरान भी कभी कभी होता है। वैक्सीनेशन के कारण अस्पताल में भर्ती होने के चांस काफी कम है। वैक्सीनेशन के कारण कोई मौत नहीं हुई। उन्होंने बताया कि यदि वैक्सीन लगने के 4-10 दिन के बाद किसी की मृत्यु होती है तो आप इसे वैक्सीनेशन से नहीं जोड़ सकते। हर मौत की वैज्ञानिक तरीके से जांच होनी चाहिए।

सुबह बायोटेक्नोलॉजी फर्म भारत बायोटेक और भारतीय अनुसंधान चिकित्सा परिषद द्वारा भारत में विकसित कोरोना वायरस वैक्सीन कोवैक्सीन की पहली खुराक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ली। प्रधानमंत्री मोदी ने वैक्सीन लेते हुए अपनी तस्वीर ट्वीट कर लिखा, एम्स में कोविड-19 वैक्सीन का पहला डोज मैंने लिया। उन्होंने यह भी लिखा, कोविड-19 से वैश्विक लड़ाई में हमारे वैज्ञानिकों व चिकित्सकों ने उल्लेखनीय काम किया और कम समय में वैक्सीन विकसित कर ली।

गिरफ्तारी के बाद धरने पर बैठे मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

हैदराबाद। चुनाव अभियान के लिए चित्तूर जा रहे टीडीपी नेता व पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को रेनीगुंटा में तिरुपति एयरपोर्ट पर रेनीगुटा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद टीडीपी नेता तिरुपति एयरपोर्ट पर विरोध प्रदर्शन के लिए बैठ गए। धरने पर दो घंटे तक बैठे चंद्रबाबू नायडू को तिरुपति एयरपोर्ट से बाहर जाने पर रोक दिया गया और एक नोटिस थमा दिया गया। रेनीगुंटा सब डिवीजनल पुलिस अफसर ने उन्हें नोटिस दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने पुलिस से अपील की कि उन्हें एयरपोर्ट से बाहर जाने दिया जाए, हालांकि काफी विनती करने के बाद भी उन्हें एयरपोर्ट से बाहर नहीं जाने दिया गया। इसपर नायडू और पुलिस में काफी चर्चा भी हुई। इसके बाद चंद्रबाबू नायडू तिरुपति एयरपोर्ट के अंदर ही फर्श पर धरने पर बैठे गए। एयरपोर्ट के बाहर तनाव का माहौल है। भारी संख्या में टीडीपी के कार्यकर्ता एयरपोर्ट पहुंच रहे हैं।

बता दें कि तिरुपति में उपचुनाव होने वाला है। जगनमोहन रेड्डी की सरकार बनने के बाद से टीडीपीऔर ड्डष्टक्कके बीच तनाव का माहौल बना हुआ है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब पूर्व मुख्यमंत्री नायडू को एयरपोर्ट पर रोक दिया गया हो। इससे पहले भी एक बार नायडू को एयरपोर्ट पर रोक दिया गया था, जिसके बाद एयरपोर्ट पर काफी विवाद हुआ था।

उल्लेखनीय है कि चित्तूर जिले में टीडीपी अध्यक्ष पुलिवर्थी वेंकटमणि प्रसाद की ओर से प्रदर्शन का आयोजन किया जाना था, जिसमें नायडू के शामिल होने की भी बात कही गई थी, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी।

चित्तूर में सोमवार सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विरोध प्रदर्शन के आयोजन की योजना बनाई गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'कोविड-19 को लेकर बनाए गए नियमों के तहत अधिक संख्या में लोगों के जमावड़े की अनुमति नहीं है। स्थानीय निकाय के चुनाव के लिए आचार संहिता लागू है।

न्यूजीलैंड में काबू से बाहर कोरोना महामारी, ब्राजील के ब्रेसीलिया में 24 घंटे का लॉकडाउन

लिंगटन। न्यूजीलैंड में कोरोना महामारी अभी काबू में नहीं है। यहां के सबसे बड़े शहर ऑकलैंड में लॉकडाउन हटाने के बाद फिर एक सप्ताह के लिए दोबारा लॉकडाउन लगा दिया गया है। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने शनिवार को कहा कि कोरोना के नए मामले सामने आने प यह निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने मरीज बढ़े हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि जनता को जरूरी सामान खरीदने की ही अनुमति होगी।

अमेरिका के सलाहकारों ने जॉनसन एंड जॉनसन की एक डोज वाली वैक्सीन को कोरोना की महामारी से लड़ने में कारगर बताया है। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को भी उम्मीद है कि जॉनसन की वैक्सीन को तीसरी वैक्सीन के रूप में लगाने की अनुमति मिल जाएगी। यह वैक्सीन पहली ही डोज के बाद काम करना शुरू कर देती है।- ब्राजील के ब्रेसीलिया में 24 घंटे का लॉकडाउन लगाया गया है। कुछ शहरों में रात का कर्फ्यू भी लगा है। एक दर्जन शहर ऐसे हैं, जहां पर मरीजों के लिए अस्पतालों में बिस्तरों की कमी है।

- न्यू मेक्सिको में तीन सप्ताह के बाद फिर नए मामलों में तेजी आई है। यहां पर कुल मरीजों की संख्या साढ़े अठारह लाख से ज्यादा हो गई है।

- रूस में एक दिन में 11 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं।

- कनाडा ने अपने यहां एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन को सभी वयस्कों में लगाने की मंजूरी दे दी है। फाइजर और माडर्ना के बाद यह तीसरी वैक्सीन है, जिसे मंजूरी दी गई है।

अमेरिकी संसद ने पारित किया 1.9 ट्रिलियन डॉलर का कोरोना राहत बिल

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने 1.9 ट्रिलियन डॉलर (करीब 136 लाख करोड़ रुपये) के कोरोना राहत पैकेज संबंधी विधेयक को शनिवार को मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति जो बाइडन के इस पैकेज के जरिये महामारी के चलते संकट का सामना कर रहे लोगों, कारोबारियों, प्रांतों और शहरों को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रतिनिधि सभा में 212 के मुकाबले 219 वोट से इस विधेयक को पारित किया गया।

संभल नहीं पाई है अर्थव्यवस्था

डेमोक्रेट सांसदों ने कहा कि अब भी अर्थव्यवस्था पूरी तरह संभल नहीं पाई है और लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं, ऐसे में निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। वहीं रिपब्लिकन सांसदों ने कहा कि विधेयक में बहुत अधिक खर्च का प्रावधान किया गया है, लेकिन स्कूलों को खोलने के लिए ज्यादा धन नहीं रखा गया है। आलम यह है कि केवल नौ फीसद रकम ही सीधे कोरोना से लड़ने में खर्च हो सकेगी।

लोगों की परवाह करती है सरकार

सदन में अल्पमत के नेता केविन मैकार्थी ने कहा, 'मेरे सहयोगी इस विधेयक को साहसिक कदम बता रहे हैं, लेकिन यह महज दिखावटी है। बिना किसी जवाबदेही के धनराशि का आवंटन किया गया है।' प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने कहा, 'अमेरिकी लोगों को यह जानना होगा कि उनकी सरकार उनकी परवाह करती है। एक बार कानून बनने के बाद न्यूनतम वेतन में भी बढ़ोतरी होगी।'

बन जाएगा कानून

सीनेट से पारित होने के बाद यह बिल कानून की शक्ल अख्तियार कर लेगा। हालांकि सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों के ही 50-50 सदस्य हैं। अगर मतदान के दौरान फैसला टाई होता है तो सीनेट की नेता और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का वोट निर्णायक होगा।

ताइवान के लिए सख्त हुआ चीन, अनानास में कीट पाए जाने पर लगाया प्रतिबंध

बीजिंग। चीन और ताइवान इन दिनों 'अनानास' को लेकर आमने-सामने हैं। दरअसल, चीन ने ताइवन से आयतित अनानास पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके बाद ताइवान के लोगों में गुस्सा है। चीन ने इस प्रतिबंध के पीछे तर्क देते हुए कहा कि वहां से आने वाले अनानास में कीट पाए गए हैं। चीन के इस प्रतबिंध के बाद ताइवान के लोग इस फैसेले का विरोध कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोगों से अनानास स्थानीय अनानास उत्पादकों का समर्थन करने का आग्रह किया है।

वहीं चीन के जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स ने घोषणा की है कि यह निलंबन 1 मार्च से प्रभावी होगा। चीनी अधिकारियों ने दावा किया कि 2020 में ताइवान से भेजे गए ताजा अनानास के कई बैचों में माइलबग्स पाए जाने के बाद कार्रवाई की गई है। फोकस ताइवान ने यह जानकारी दी।

अंटार्कटिका में हलचल

ब्रिटेन के रिसर्च स्टेशन के पास बर्फ का बड़ा हिस्सा टूटकर अलग हुआ, इसका साइज न्यूयॉर्क से भी बड़ा

अंटार्कटिका। अंटार्कटिका में ब्रंट आइस शेल्फ से बर्फ को बड़ा हिस्सा टूटकर अलग हो गया। यह जगह ब्रिटेन की साइंटिफिक आउटपोस्ट से बहुत दूर नहीं है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के मुताबिक, आइसबर्ग का टूटा हुआ हिस्सा 490 वर्ग मील (1270 वर्ग किलोमीटर) का है। यह साइज में न्यूयॉर्क शहर से भी बड़ा है।

बीएएस के मुताबिक, यहां बर्फ की मोटाई करीब 150 मीटर है। इसमें बड़ी दरारें पड़ने के कारण वैज्ञानिक काफी समय से एक बड़े आइसबर्ग के टूटने की आशंका जता रहे थे। अभी इस जगह एक खाई सी तैयार हो गई है। नवंबर में यहां एक बड़ी दरार दिखाई दी थी। जनवरी में यह एक किलोमीटर तक आगे बढ़ गई।

कई सौ मीटर चौड़ी हुई दरार

बीएएस ने कुछ दिन पहले बनाया इसका वीडियो जारी किया है। इसमें

आइसबर्ग की लंबी दरार दिखाई दे रही है। यह दरार कई सौ मीटर तक चौड़ी हो गई। इस वजह से यह हिस्सा अलग हो गया। बीएएस के डायरेक्टर जेन फ्रांसिस का कहना है कि हमारी टीमें कई साल से इस स्थिति के लिए तैयार हैं। सैटेलाइट इमेज और उनके नेटवर्क के जरिए इस जगह का हर रोज का अपडेट मिलता है। इस डेटा को एनालिसिस के लिए कैंब्रिज में भेज दिया जाता है। इसलिए हम जानते हैं कि अंटार्कटिक में क्या हो रहा है।

सर्दी की वजह से बंद है रिसर्च स्टेशन

बीएएस का हैली रिसर्च स्टेशन इस समय सर्दियों की वजह से बंद है। इसमें रहने वाला 12 लोगों का स्टाफ इस महीने की शुरुआत में यहां से निकल गया था। 1956 से ब्रंट आइस शेल्फ पर कई जगह 6 हैली रिसर्च स्टेशन बने हैं। सर्दियों में यहां कोई स्टाफ नहीं रहता।

इस दौरान यहां का तापमान माइनस 50 डिग्री सेल्सियस तक नीचे गिर जाता है।

बीएएस ने एहतियात के तौर पर 2016 में हैली रिसर्च स्टेशन की जगह बदल दी थी। 2017 के बाद से स्टाफ यहां सिर्फ गर्मियों में काम कर रहा है, क्योंकि सर्दियों के दौरान उनका निकलना मुश्किल हो जाता है। बीएएस ने कहा कि 4 साल पहले हमने रिसर्च स्टेशन को दूर ले जाने का फैसला लिया था। हमें पता था कि जब आइसबर्ग टूटेगा तो फिर ऐसा नहीं कर पाएंगे। यह समझदारी भरा फैसला था।

हर साल 2 किमी खिसक जाती है बर्फ की परत

बर्फ की शेल्फ हर साल लगभग 2 किलोमीटर समुद्र की ओर बहती है। इसी के कुछ हिस्से टूट जाते हैं। क्रस के मुताबिक, यह एक नेचुरल प्रोसेस है। 2017 में लार्सन सी आइस शेल्फ से भी बड़ा आइसबर्ग टूट गया था। पिछले साल के आखिर तक यह समुद्र में तैरने लगा था। लार्सन सी आइस शेल्फ पर देखी गई घटनाओं का इससे कोई संबंध नहीं है। इस बात का भी कोई सबूत नहीं है कि आइसबर्ग के अलग होने के पीछे क्लाइमेट चेंज है।

कोरोना दुनिया में :यूएस में जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन के इमरजेंसी यूज की मंजूरी

देश में अप्रूवल पाने वाला तीसरा टीका

वाशिंगटन। अमेरिका ने जॉनसन एंड जॉनसन की कोरोना वैक्सीन 'जैनसेन' को इमरजेंसी अप्रूवल दे दिया। मॉडर्ना और फाइजर के बाद देश में अप्रूवल पाने वाली यह तीसरी वैक्सीन है। खबर के मुताबिक, यह अमेरिका की पहली सिंगल डोज वैक्सीन है।

व्हाइट हाउस के सीनियर ऑफिसर एंडी स्लाविट ने सोशल मीडिया पर कहा कि तीसरी सेफ और इफेक्टिव वैक्सीन का आना बहुत अच्छी खबर है।

यूएस फूड एंड ड्रग रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन के एडवाइजर पैनल ने इस वैक्सीन की सिफारिश के लिए वोटिंग की थी। इसमें 22 मेंबर्स ने इसके पक्ष में वोटिंग की थी। इसके विरोध में एक भी वोट नहीं पड़ा।

44 हजार लोगों पर ट्रायल, एफिकेसी 66.1फीसदी

मेयो क्लिनिक के वैक्सीन रिसर्च ग्रुप के हेड डॉ. ग्रेग पोलैंड का कहना है कि हमें एक वैक्सीन की जरूरत है, जिसका जल्दी और बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन हो सके। हम इसकी एफिकेसी ओर यह कब तक सुरक्षा देती है, यह देखना चाहते हैं। जैनसेन वैक्सीन इन सभी पैमानों पर खरी उतरती है।

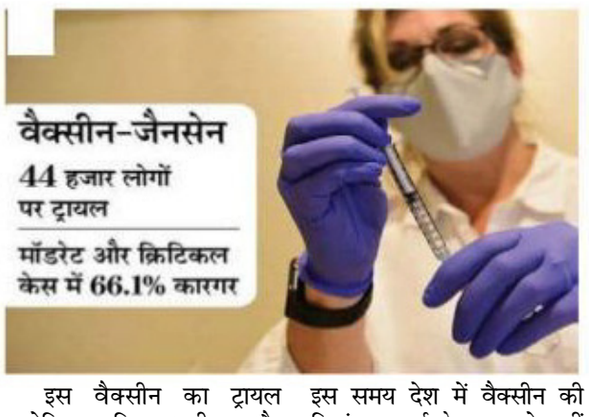

इस वैक्सीन का ट्रायल अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 44 हजार से ज्यादा लोगों पर किया गया था। एफडीए के मुताबिक, यह वैक्सीन कोरोना के मॉडरेट और क्रिटिकल मरीजों को दी गई। इस दौरान यह 66.1फीसदी इफेक्टिव रही।

अमेरिका में वैक्सीन की सप्लाई कम, डिमांड ज्यादा

अमेरिका ने अब तक कुल 2.92 करोड़ केस की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से 5.24 लाख से ज्यादा संक्रमितों की मौत हो गई। इस समय देश में वैक्सीन की डिमांड सप्लाई के मुकाबले कहीं ज्यादा है। आने वाले वक्त में सप्लाई की स्थिति सुधरने की उम्मीद भी नहीं है। जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन को अप्रूवल मिलने से बड़ी आबादी के वैक्सीनेशन में मदद मिलेगी। यह टीका 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों को लगाया जाएगा। अमेरिका में अब तक 7 करोड़ से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है।

साउथ अफ्रीका में बिना अप्रूवल मिले वैक्सीनेशन

2 हफ्ते पहले साउथ अफ्रीका की सरकार ने अप्रूव न होने के बावजूद जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन अपने हेल्थ वर्कर्स को देने का फैसला लिया था। हेल्थ मिनिस्टर ने खुद इस बात की पुष्टि की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, हेल्थ स्टाफ के लिए वैक्सीन के 80 हजार डोज साउथ अफ्रीका पहुंच भी चुके हैं।

कुल मरीज 11.43 करोड़ से ज्यादा

दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.43 करोड़ से ज्यादा हो गया। 8 करोड़ 99 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 36 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

प्रोस्टेट कैंसर के इलाज की बंधी उम्मीद, अमेरिकी शोधकर्ताओं ने विशिष्ट एंजाइम का लगाया पता

न्यूयॉर्क। शोधकर्ताओं ने एक ऐसे एंजाइम का पता लगाया है, जिसे थाम कर प्रोस्टेट कैंसर का इलाज किया जा सकता है। इस एंजाइम का नाम एमएपीके4 बताया गया है। अध्ययन में पाया गया है कि यह एंजाइम प्रोस्टेट कैंसर को बढ़ावा देने वाले एंड्रोजन रिसेप्टर (एआर) और एकेटी को सक्रिय करता है। ये दोनों मॉलिक्यूल प्रोस्टेट कैंसर को बढ़ाने वाले ज्ञात कारक माने जाते हैं। अमेरिका के बायलोर कॉलेज ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता असिस्टेंट प्रोफेसर फेंग यांग का कहना है कि इन मॉलिक्यूल को नियंत्रित कर एक मानक इलाज की संभावना दिख रही है। उन्होंने कहा कि हमारी रुचि एमएपीके4 की गतिविधियों की रोकथाम की खोज में है। इससे भविष्य में प्रोस्टेट कैंसर और अन्य प्रकार के कैंसरों का बेहतर इलाज किया जा सकेगा।

पिछले अध्ययनों में शोधकर्ताओं ने पता लगाया था कि एमएपीके4- एकेटी के जरिये न सिर्फ प्रोस्टेट कैंसर बल्कि फेफड़ा और आंत के कैंसर को बढ़ा सकता है।

जर्नल ऑफ क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन में प्रकाशित ताजा अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया है कि एमएपीके4- एआर के संकेतक पथ को सक्रिय कर देता है। इसमें जीएटीए2 का उत्पादन बढ़ जाता है, जो एआर के संश्लेषण और सक्रियता का एक अहम कारक है। प्रयोगों में यह भी सामने आया है कि एमएपीके4 - एआर और एकेटी की सक्रियता को स्वतंत्र रूप से भी बढ़ा देता है, जिससे प्रोस्टेट कैंसर की वृद्धि तेज हो जाती है तथा एडवांस्ड या मेटास्टैटिक प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में बाधक बनता है। खास बात यह है कि यदि आनुवंशिक तरीके से एमएपीके4 पर चोट कर एआर और एकेटी की सक्रियता को कम किया जाना संभव हुआ तो कैंसर का विकास अवरुद्ध होगा। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि एमएपीके4 को निशाना बनाने से इसकी संलिप्तता वाले कैंसर वृद्धि को कम किया जा सकता है।

प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण

प्रोस्टेट कैंसर के मामले हाल के वर्ष में ज्यादा बढ़े हैं। यह कैंसर प्रोस्टेट ग्रंथि के ऊतकों में विकसित होता है और अंततः मूत्र प्रणाली और इसके कार्यों को प्रभावित कर सकता है। इसके सामान्य लक्षण हड्डियों में दर्द, मूत्र में रक्त और मूत्र विसर्जन के दौरान तनाव हैं। प्रोस्टेट कैंसर को स्वस्थ जीवन शैली अपना कर रोका जा सकता है।

पत्रकार की हत्या में फंसे प्रिंस बिन सलमान

नई दिल्ली। सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद बिन सलमान अमेरिकी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले में बुरी तरह फंसते नजर आ रहे हैं। खशोगी वाशिंगटन पोस्ट अखबार के लिए लिखते थे। उन्हें अक्टूबर 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में लालच देकर बुलाया गया था, फिर उनकी हत्या कर लाश को टुकड़ों में काट दिया गया था। अमेरिकी प्रेसिडेंट जो बिडेन ने खशोगी की हत्या पर एक खुफ़िया जांच रिपोर्ट को सार्वजानिक किया है जिसमें बताया गया है कि सऊदी अरब के राजकुमार ने ही जमाल खशोगी की हत्या की मंजूरी दी थी। अमेरिकी रिपोर्ट में पत्रकार को दी गयी यातना के बारे में खुलासा किया गया है। अमेरिकी इंटेलिजेंस टीम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सऊदी राजकुमार बिन सलमान ने सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी को पकड़ने या मारने के लिए इस्तांबुल (तुर्की) में एक ऑपरेशन को मंजूरी दी थी। प्रिंस मोहम्मद के प्रभाव को देखते हुए, यह इस बात की संभावना नहीं थी कि 2018 में की गई हत्या उनकी मंजूरी के बिना हो सकती थी। रिपोर्ट में कहा गया है, यह हत्या 'विदेश में मौन असंतुष्टों के लिए स्वाभाविक है कि अभी तक मोहम्मद बिन सलमान इस बात से इनकार करते रहे हैं कि उन्होंने जमाल खशोगी की हत्या के आदेश दिए थे। बहरहाल, इस रिपोर्ट के बाद बिडेन प्रशासन ने इस हत्या से जुड़े लोगों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके साथ बिडेन प्रशासन ने खशोगी की हत्या के जिम्मेदारी अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाने का एलान किया है।

दुनिया का पहला लाइट टेंपरेरी टैटू: यह इंसानों के बाल के मुकाबले 30 गुना पतला, कुछ घंटों बाद आसानी से धोया जा सकता है

लंदन । ब्रिटेन में वैज्ञानिकों ने दुनिया का पहला लाइट टेंपरेरी टैटू बनाया है। टैटू सिर्फ 2.3 माइक्रोमीटर मोटा है, एक इंसानों के बाल की तुलना में 30 गुना पतला है, और हरे रंग की चमक है। आंखों से इसे देखा जा सकता है। बहुत छोटे ओएलईडी बल्बों को एक अस्थायी टैटू में एकीकृत किया गया है, जो उसी तरह से सतहों पर चिपक जाता है।

ओएलईडी ऊर्जा कुशल बल्ब हैं और इनका उपयोग आमतौर पर स्मार्टफोन और टीवी सहित डिवाइस स्क्रीन में किया जाता है। प्रयोग में इंजीनियरों ने हरी रोशनी पैदा करने के लिए ओएलईडी को ट्रिगर करने में कामयाब रहे और टैटू को ग्लास, प्लास्टिक, एक नारंगी और पेपर पैकेजिंग से चिपका दिया।

डेवलपर्स का कहना है कि भविष्य के संस्करण संभवतः एक छोटी बैटरी या सुपरकैपेसिटर का उपयोग करेंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि टैटू, अगर मानव त्वचा से चिपक जाता है, तो कुछ घंटों के बाद आसानी से धोया जा सकता है। वोल्टेज और करंट्स बिना किसी बिजली के झटके के होने की वजह से

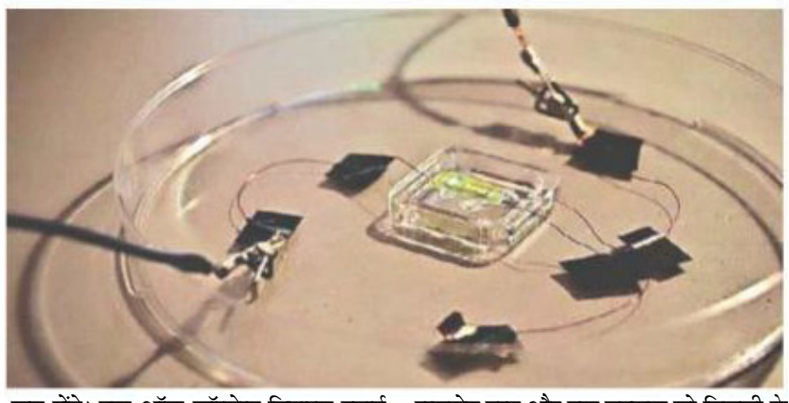

कम होंगे। प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट डिवाइस स्मार्ट टैटू के लिए नींव रखेगा

विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्ट टैटू भविष्य में, यह पता लगाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है कि धूप सेंकने और निर्जलीकरण के संकेत मिलने पर किसी व्यक्ति को बहुत अधिक यूवी का सामना करना पड़ा है।

स्मार्ट टैटू के डिवाइस में पांच परतें हैं

अस्थायी टैटू पेपर, दो इलेक्ट्रोड, एक इन्सुलेट परत और एक बहुलक जो बिजली के क्षेत्र के अधीन होने पर रोशनी करता है। प्रकाश उत्सर्जक बहुलक सिर्फ 76 नैनोमीटर मोटा है । डीएनए का एक किनारा लगभग 2.5 एनएम है और ओएलईडी को होस्ट करता है। लाइट-अप टैटू लंबे समय से वैज्ञानिकों का लक्ष्य रहा है। प्रोफ़ेसर कैकेली का कहना है कि स्मार्ट टैटू लोगों को चीज़ों पर नज़र रखने के तरीकों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करेगा।

म्यांमार की सैन्य सरकार को न दे कोई देश मान्यता, हर तरफ उठ रही आवाज

न्यूयॉर्क। म्यांमार में लोकतांत्रिक सरकार को हटाकर जबरन सैन्य शासन लागू करने की पूरी दुनिया में तीखी आलोचना हो रही है। संयुक्त राष्ट्र(यूएन) में इस अत्याचार की गूंज उस समय फिर सुनाई पड़ी, जब म्यामांर के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत ने ही अपने यहां हुए सैन्य तख्ता पलट का जबर्दस्त विरोध कर दिया।

उन्होंने विश्व समुदाय से सैन्य शासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को तत्काल बहाल करने की मांग की।

म्यांमार के राजदूत क्याव मो तुन ने कहा कि वह आंग सान सू की के नेतृत्व वाली नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पार्टी ने लोकतांत्रिक तरीके से जनता के चुनाव के बाद सैन्य शासन को समाप्त करने के लिए सरकार बनाई थी। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे सैन्य तख्ता पलट की निंदा करें और मान्यता देने से इन्कार कर दें। सैन्य शासन के नेताओं से कहें कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें। म्यांमार के राजदूत के इस

म्यांमार के राजदूत क्याव मो तुन ने कहा कि वह आंग सान सू की के नेतृत्व वाली नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पार्टी ने लोकतांत्रिक तरीके से जनता के चुनाव के बाद सैन्य शासन को समाप्त करने के लिए सरकार बनाई थी।

बयान ने पूरी सभा का ध्यान खींचा और उनके साहस की यूरोपियन यूनियन के राजदूतों, इस्लामिक सहयोगी संगठन और अमेरिका की राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने प्रशंसा की। अमेरिकी की राजदूत लिंडा ने कहा कि अमेरिका म्यांमार की जनता के साथ है, जो सड़कों पर सैन्य शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। इधर म्यांमार में जनता के विरोध का दमन करने के लिए सैन्य शासन ने और सख्ती शुरू कर दी है।

मोनव्या शहर में पुलिस ने फायरिंग करते हुए एक महिला को गोली मार दी, कई लोग घायल हुए हैं। यहां पर जनता का विरोध संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार के राजदूत के सैन्य शासन के खिलाफ कार्रवाई के बयान के बाद बढ़ गया। पुलिस ने जनता पर वाटर कैनन ने पानी की बौछार भी की। शनिवार को पुलिस ने और अधिक सख्ती दिखाने के साथ यंगून और मंडाले में व्यापक पैमाने पर गिरफ्तारियां भी कीं। डवे में भी सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया।

म्यांमार में सभी पक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू करें त्र भारत संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि म्यांमार में सभी पक्षों की प्राथमिकता लोकतांत्रिक प्रक्रिया शुरू करने की होनी चाहिए। गिरफ्तार नेताओं को रिहा किया जाना चाहिए। तिरुमूर्ति ने कहा कि बांग्लादेश गए रोहिंग्याओं को भी वापस म्यांमार भेजा जाना चाहिए। भारत की सीमाएं म्यामांर से लगी हुई हैं, इसलिए यहां पर शांति और स्थायित्व आवश्यक है।

मालवाहक जहाज में विस्फोट

यरूशलेम। इजरायल के स्वामित्व वाले एक मालवाहक जहाज में भयानक विस्फोट हो गया। ये धमाका तब हुआ जब ये शिप मध्यपूर्व से बाहर निकल रहा था। हालांकि गनीमत की बात ये रही कि जहाज के क्रू मेंबर्स को नुकसान नहीं हुआ और वे बिल्कुल सुरक्षित हैं। लेकिन मध्यपूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र में हुए धमाके से जहाज सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

MV हेलिओस रे जहाज में हुआ धमाका

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओमान की खाड़ी में इजरायली मालवाहक जहाज में हुए जोरदार धमाके के बाद इसे करीबी बंदरगाह पर लौटना पड़ा। मेरिटाइम इंटेलिजेंस फर्म ड्रायड ग्लोबल ने इस Ship की पहचान MV हेलिओस रे के तौर पर की है। वहीं एक अन्य निजी सुरक्षा अधिकारी ने भी जहाज की पहचान हेलिओस रे के रूप में की है।

अरब सागर में प्रवेश कर रहा था जहाज

रिपोर्ट के मुताबिक, सैटेलाइट-ट्रैकिंग डाटा से पता चला है कि शुक्रवार को हेलिओस रे अरब सागर में प्रवेश कर रहा था, तभी अचानक ये शिप उल्टे रास्ते लौट पड़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य की तरफ वापस जाने लगा। मिली जानकारी के मुताबिक, ये जहाज सऊदी अरब के दम्मम से आ रहा था, इसे सिंगापुर जाना था। वहीं माना जा रहा है कि जहाज पर

ये हमला ईरान ने किया था। हालांकि इजरायली अधिकारियों ने इस मामले में सीधे तैर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। इसके साथ ही ईरान की सरकार की तरफ से भी ब्लास्ट को लेकर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। बता दें कि ये हमला ऐसे समय पर हुआ, जब Tehran की तरफ से लगातार परमाणु समझौते का उल्लंघन किया जा रहा है।

दिल्ली में एक महीने के दौरान 125 रुपये बढ़ गए रसोई गैस सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में लगातार दूसरे दिन सोमवार को पेट्रोल-डीजल के दाम तो नहीं बढ़े, लेकिन रसोई गैस सिलेंडर बढ़ी कीमत ने लोगों को बड़ा झटका दिया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में 14.9 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर के दाम में सोमवार को 25 रुपये का इजाफा किया गया है, जिसके बाद राजधानी में अब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 794 से बढ़कर 819 रुपये हो गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमत 819 रुपये और कोलकाता में 845.50 रुपये हो गई। देश के अन्य मेट्रो सिटी चेन्नई में रसोई गैस सिलेंडर का दाम 835 रुपये हो गया है। यहां पर बता दें कि 1 फरवरी से लेकर 1 मार्च के बीच 14.2 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 125 रुपये का इजाफा हो गया है। इससे पहले 1 फरवरी को रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 25 रुपये, 15 फरवरी को 50 और फिर 25 फरवरी को 25 रुपये का इजाफा किया गया। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर सोमवार यानी 1 मार्च को रसोई गैस के दाम में 25 रुपये प्रति किलो गैस सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई। ऐसे में एक महीने के दौरान रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 125 रुपये का इजाफा हो चुका है। गौरतलब है कि 2 महीने में 6 बार रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी की गई है। जाहिर है इस बढ़ोतरी का असर किचन पर पढ़ना तय है। इससे पहले 1 जनवरी 2021 को रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत 694 रुपये थी। इसके बाद एक मार्च को यह बढ़कर 819 रुपये प्रति पहुंच गई है। इससे पहले अंतिम बार 25 मई को गैस सिलेंडर के दामों में इजाफा किया गया था। बता दें कि रसोई गैस के दामों में महीने की पहली तारीख को समीक्षा की जाती है, जिसमें दाम घटाने या बढ़ाने का निर्णय लिया जाता है।

दिल्ली दंगे पर बनी डाक्यूमेंट्री दिल्ली रायट्स : ए टेल आफ बर्न एंड ब्लेम रिलीज

यहां तक कि पुलिस से भी मिले। यह जाना कि दंगे के लिए हथियार कैसे बनाए गए थे। इस डाक्यूमेंट्री में दंगे के दौरान की वास्तविक तस्वीरों और चश्मदीदों के कथन के जरिये वो सब दिखाने का प्रयास किया गया है, जिसकी वजह से हिंसा हुई और 53 लोग मारे गए।

नई दिल्ली। 21वीं सदी में देश की राजधानी दिल्ली को सबसे बड़ा दर्द देने वाले दिल्ली दंगा 2020 को एक साल पूरे हो चुके हैं। एक साल पहले 24 फरवरी से उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगों की शुरुआत हुई थी। इस घटना ने दिल्ली को शर्मसार किया है। इस बीच पिछले साल फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे पर बनी डाक्यूमेंट्री दिल्ली रायट्स : ए टेल आफ बर्न एंड ब्लेम रिलीज हो गई है। इसे दंगे की पहली बरसी पर 23 फरवरी को ओवर-द-टाप (ओटीटी) प्लेटफार्म वूट पर रिलीज किया गया। इसका निर्देशन फिल्मकार कमलेश के मिश्रा ने किया है। इस तरह के संवेदनशील मुद्दे पर डाक्यूमेंट्री बनाने के लिए उन्हें किसने प्रेरित किया था, इस बारे में निर्देशक कमलेश के मिश्रा ने बताया कि पिछले वर्ष 22 फरवरी की शाम को सीएए प्रदर्शनकारियों ने उत्तर पूर्वी दिल्ली की उन दो मुख्य सड़कों को जाम कर दिया था, जो इस क्षेत्र को दिल्ली के अन्य हिस्सों से जोड़ती हैं। उसके बाद हिंसा हुई। उस हिंसा में लोग मर रहे थे और लोग केवल इस बारे में चिंतित थे कि यह किसने किया। मैंने महसूस किया कि दंगे में अपने प्रियजनों को खोने का लोगों को जो दुख हुआ, उसे सबको दिखाने की जरूरत है। इस कारण डाक्यूमेंट्री बनाने का फैसला किया।

उन्होंने बताया कि डाक्यूमेंट्री बनाने के लिए दस्तावेजों का अध्ययन किया। यहां तक कि पुलिस से भी मिले। यह जाना कि दंगे के लिए हथियार कैसे बनाए गए थे। इस डाक्यूमेंट्री में दंगे के दौरान की वास्तविक तस्वीरों और चश्मदीदों के कथन के जरिये वो सब दिखाने का प्रयास किया गया है, जिसकी वजह से हिंसा हुई और 53 लोग मारे गए। कमलेश के मिश्रा ने बताया कि वह डाक्यूमेंट्री के जरिये बताना चाहते हैं कि इस तरह की बर्बरता और हिंसा मानवता पर एक सवाल है। बता दें कि कमलेश के मिश्रा ने फिल्म मधुबनी की कहानी लिखी थी और उसका निर्देशन किया था। उस फिल्म को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था।

शांतनु से पूछताछ में दिल्ली पुलिस को मिली नई जानकारियां, कैसे रची थी साजिश

नई दिल्ली। टूलकिट मामले में दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने गत दिनों शांतनु मुलुक की जमानत अर्जी पर विरोध करते हुए हुए अदालत को बताया कि उसने षड्यंत्र के तहत टूलकिट बनाने में सहयोग किया था। काम-इन-नेटिंग पैक के जरिये गुगल क्लाउड डाक्युमेंट की मदद से इसे तैयार किया गया था। बाद में दस्तावेज हाइपरलिंक्स के माध्यम से अन्य लोगों को भेजा गया।

टूलकिट में देश विरोधी बातें लिखी हुई थीं जिसका मुख्य उद्देश्य कृषि कानून विरोधी प्रदर्शनकारियों को भड़काना और हिंसा फैलाना था। पुलिस ने यह भी कहा कि टूलकिट में भारत विरोधी प्रचार करने वाले वेबसाइटों के लिंक मिले हैं। शांतनु से पूछताछ में कई विसंगतियां व विरोधाभास पाए गए हैं। इसकी जांच की जा रही है।

शांतनु के बैंक खाते की जांच के लिए आरोपित से और विस्तार से पूछताछ की जरूरत है। इससे पहले पुलिस ने दिशा रवि को गिरफ्तार किया था। दिशा रवि की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में कई और नाम सामने आए, उसके बाद पुलिस ने उन सभी को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। उसके बाद अब इस पूरे कांड से पर्दा उठता जा रहा है। फिलहाल पुलिस की पूछताछ जारी है।

आरोपित 20 जनवरी, 2021 से 27 जनवरी तक प्रदर्शन में शामिल रहा था। इस दौरान उसने क्या-क्या किया इसके लिए अभी और पूछताछ की जानी है। पुलिस ने बताया कि टूलकिट के मसौदे से समझा जा सकता है इसमें 26 जनवरी से पहले ही फर्जी बातें लिखकर पेज को तैयार कर लिया गया था। उसमें लिखा गया था कि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और वाटर केनन का प्रयोग किया। इससे सैकड़ों लोग घायल हो गए। कई आंदोलनकारियों की मौत हो चुकी है और कई अभी तक गायब हैं। अगर आरोपित के अपने मंसूबों में कामयाब रहता तो इस तरह की बातें इंटरनेट मीडिया पर वायरल होतीं तो बेहिसाब हिंसा हो सकती थी।

शबनम और सलीम की फांसी के खिलाफ उठी आवाज़

निर्भया के दोषियों के वकील ने देशवासियों से की अपील

नई दिल्ली। निर्भया कांड के चारों दोषियों (अक्षय सिंह ठाकुर, मुकेश सिंह, विनय कुमार और पवन कुमार गुप्ता) को फांसी से बचाने की हरसभंव कोशिश करने वाले सुप्रीम कोर्ट के नामी वकील एपी सिंह ने अमरोहा सामूहिक हत्याकांड में दोषी शबनम और सलीम के ट्रायल को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है- जहां तक सवाल शबनम और सलीम के ट्रायल को लेकर है तो हमारी सर्वोच्च न्यायालय भी मानती है कि कई बार ट्रायल में ऐसी कई खामियां होती हैं, जिसका परिणाम आरोपित को भुगतना पड़ता है। शबनम और सलीम का केस भी इस खामी का शिकार रहा। हमारी जांच, चार्जशीट में खामियां हो सकती हैं। सरकारें इसे दुरुस्त करने का काम कर रही हैं। वकील एपी सिंह का कहना है कि अब तक का आंकड़ा तो यही बताता है कि ज्यादातर फांसी पाने वाले मध्य वर्गीय या फिर निचले-गरीब तबके से आते हैं। फांसी की सजा को लेकर उन्होंने कहा कि जब भी किसी दोषी को फांसी की सजा देने की प्रक्रिया शुरू होती है, तो मेरी नींद उड़ जाती है। निर्भया के दोषियों के वकील एपी सिंह का मानना है कि देश के लोगों को फांसी के खिलाफ आगे आना चाहिए। लोगों को सलीम और शबनम के बेटे को भी अपनाना चाहिए। लोग समाज को दिशा देने का काम कर सकते हैं। जेल को सुधार गृह बनाइये न कि फांसी घर। यहां पर बता दें कि 13 साल पहले वर्ष 2008 में उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले के बावनखेड़ी में अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही घर के 7 लोगों की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या करने वाली शबनम फांसी की चर्चा जोरों पर है। राष्ट्रपति महोदय रामनाथ कोविंद द्वारा राहत की अर्जी ठुकराए जाने के बाद शबनम को फांसी लगना तय माना जा रहा है, वहीं हत्या की मुख्य वजह बनने वाला प्रेमी सलीम भी आने वाले कुछ महीनों में फांसी के तख्ते पर पहुंच जाए। जानकारों की मानें तो शबनम के बाद सलीम को भी फांसी होगी, इसमें कोई 2 राय नहीं है, क्योंकि दोनों को निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक फांसी की सजा सुना चुका है। यह अलग बात है कि जहां शबनम फांसी के तख्त के करीब है तो वहीं सलीम की कुछ याचिकाएं लंबित हैं, जिनका निबटारा होते ही दोनों को इन जघन्य हत्याकांड के लिए फांसी के फंदे पर लटका दिया जाएगा। 13 साल पहले 13 दिसंबर 2008 को अमरोहा के बावनखेड़ी में एक परिवार के 7 लोगों की हत्या कर दी गई थी। शुरुआत में यह मामला जमीन विवाद का बताया गया था, लेकिन सच्चाई सामने आई तो पूरा देश हिल गया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि शबनम ने प्रेमी सलीम संग मिलकर परिवार के 7 लोगों की बेरहमी से हत्या की थी। इनमें पिता मास्टर शौकत, मां हाशमी, भाई अनीस और राशि, भाभी अंजुम और फुफेरी बहन राबिया शामिल थी।

राजधानी में सुधरेगी एफओबी और सब-वे की दशा, होगा लोगों को लाभ

नई दिल्ली। राजधानी में 2015 तक बने फुट ओवरब्रिज (एफओबी) और सब-वे की मजबूती और सुविधाओं का अध्ययन होने जा रहा है। छह माह के अंदर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को इस संबंध में रिपोर्ट मिलेगी जिसके बाद इनकी दशा सुधारी जाएगी। मार्च या अप्रैल से यह कार्य शुरू हो जाएगा। कई फुट ओवरब्रिज में लिफ्ट हैं, लेकिन खराब पड़ी हैं। एस्केलेटर बंद पड़े हैं। इनकी खराब हालत को देखते हुए योजना विभाग ने 74 एफओबी और 37 सब-वे का सर्वे किया था। सर्वे में पता चला कि 74 एफओबी में से 57 में लिफ्ट नहीं हैं। 17 में लिफ्ट हैं, लेकिन केवल नौ जगह ही काम कर रही हैं। 17 एफओबी में एस्केलेटर हैं। सर्वे के दौरान एफओबी और सब-वे का प्रयोग नहीं करने वाले ज्यादातर लोगों ने सुरक्षा का मुद्दा उठाया था और कहा था कि अगर सुरक्षा गार्ड हों तो वे इनका प्रयोग कर सकते हैं।

100 रुपये दूध बेचे जाने पर संयुक्त किसान मोर्चा ने दी सफाई, कहा- इससे हमारा वास्ता नहीं

नई दिल्ली। तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर किसानों का प्रदर्शन 100 दिन से भी अधिक समय से जारी है। सोमवार को सिंघु के साथ टीकरी, गाजीपुर और शाहजहांपुर बॉर्डर पर हजारों की संख्या में किसान जमा हैं और तीनों कृषि कानूनों को रद करने की मांग पर अड़े हैं। इस बीच 100 रुपये लीटर दूध बेचने के खाप पंचायतों के फैसले के मद्देनजर संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं का आधिकारिक बयान भी आया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने अपने अहम बयान में कहा है कि 100 रुपये किलो दूध बेचे जाने के फैसले से हमारा कोई लेना देना नहीं है।

किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने सफाई में कहा कि उनके नाम पर गलत संदेश वायरल किया जा रहा है, किसान इसे नजरअंदाज करें।

दूध की कीमत 100 रुपये किलो करने के सवाल पर संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि उनकी ओर से ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई है। उनका कहना है कि उनके नाम पर गलत संदेश वायरल किया जा रहा है और ऐसे में किसान इसके बहकावे में न आएं और इस मैसेज को नजरअंदाज करें। गौरतलब है कि हरियाणा के हिसार और जींद में पिछले दिनों हुई खाप पंचायतों और किसानों ने मिलकर दूध 100 रुपये प्रति किलो बेचने का फैसला किया था। यह भी कहा गया था कि आम जनता को तो दूध पुरानी कीमत पर मिलेगा,वहीं, सहकारी संस्थाओं से एक लीटर दूध के एवज में 100 रुपये लिए जाएंगे।

किसानों द्वारा 1-5 मार्च के बीच दूध की बिक्री के बहिष्कार और 6 तारीख से दूध की कीमत 100 रुपये प्रति किलो करने संबंध सयुंक्त किसान मोर्चे ने कोई आह्वान नहीं किया गया है. संयुक्त किसान मोर्चा के नाम से गलत तरीके से सोशल मीडिया पर एक संदेश वायरल हो रहा है और इस संदर्भ में स्पष्टीकरण दिया जा रहा है कि यह मैसेज गलत है. किसानों से अनुरोध है कि वे इस तरह के गलत संदेश को नजरअंदाज करें, जो उन्हें संयुक्त किसान मोर्चा के नाम से मिल रहा है।

एनजीओ पर हाई कोर्ट ने लगाया एक लाख का जुर्माना, फाइल की थी इमारतों के ध्वस्तीकरण की याचिका

कई याचिकाएं बड़े वर्ग को प्रभावित करती है। कोर्ट के सामने भी कई बार ऐसी बातें आ चुकी हैं जिसमें ये देखा गया कि ये निजी लाभ के लिए दायर की गई हैं।

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के देवली में अनाधिकृत निर्माण का आरोप लगाते हुए 40 इमारतों के ध्वस्तीकरण की मांग को लेकर दायर याचिका को ब्लैकमेलिंग याचिका बताते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठन प्रेरणा एक दिशा फाउंडेशन पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल व न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए रिकॉर्ड पर लिया कि याचिककर्ता ने इमारतों के मालिकों को याचिका में पक्षकार भी नहीं बनाया है।

मुख्य पीठ ने कहा कि यह याचिका एक ब्लैकमेलिंग मुकदमे की तरह प्रतीत होती है। पीठ ने याचिका खारिज करते हुए एनजीओ को उक्त जुर्माना राशि कानूनी सेवा प्राधिकरण के पास जमा कराने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि किसी निर्माण की वैधता या अवैधता को साबित करने के लिए कड़े और ठोस सुबूत की जरूरत होती है। पीठ ने इसके साथ ही दक्षिण दिल्ली में अनाधिकृत निर्माण का आरोप लगाते हुए दायर की गई एक अन्य याचिका के याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील ने निर्माण की वैधता पर कोई दलील नहीं दी और निर्माण सामग्री सड़क पर पड़ी होने का मतलब अवैध निर्माण होना नहीं होता है।

पीठ ने कहा कि निर्माण सामग्री का पड़ा होना निर्माण की अवैधता का अनुमान नहीं हो सकता है। याचिकाकर्ता ने इससे पहले सड़क किनारे पड़ी निर्माण सामग्री से जुड़ी फोटो दिखाते हुए अवैध निर्माण का आरोप लगाया था। दरअसल बीते कुछ सालों से हाइ कोर्ट में कई ऐसी याचिकाएं दायर की जा रही है जिनका किसी व्यक्ति विशेष से ही मतलब होता है। कई याचिकाएं बड़े वर्ग को प्रभावित करती है। कोर्ट के सामने भी कई बार ऐसी बातें आ चुकी हैं जिसमें ये देखा गया कि ये निजी लाभ के लिए दायर की गई हैं। इन चीजों को देखते हुए अब ऐसी याचिकाओं पर अधिक गंभीरता के साथ ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली में 102 स्कूलों ने किया शिक्षा निदेशालय के नियमों का उल्लंघन

नई दिल्ली। दिल्ली के 1725 निजी स्कूलों में नर्सरी दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 18 फरवरी से शुरू हो गई है। 17 फरवरी तक सभी स्कूलों को आवेदन प्रक्रिया शुरू होने से पहले शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दाखिला मानदंड अपलोड करने थे। आवेदन प्रकिया खत्म होने में अब केवल तीन दिन शेष हैं। अभी तक 102 स्कूलों ने शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दाखिला मानदंड नहीं अपलोड किए हैं। इन स्कूलों ने शिक्षा निदेशालय के नियमों का उल्लंघन करते हुए दाखिला प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। स्कूलों नर्सरी, केजी और कक्षा 1 में दाखिले के लिए 100 अंको के आधार पर दाखिला मानदंड तैयार करते हैं। इन दाखिला मानदंडों में कोई निजी स्कूल हाईकोर्ट द्वारा प्रतिबंधित नियमों के आधार पर दाखिला न दे इसके लिए स्कूलों को शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर दाखिला मानदंड अपलोड करना होता है। जिस पर निदेशालय के अधिकारी ये देखते हैं कि कौन से स्कूल किन प्रतिबंधित दाखिला मानदंडो के आधार पर दाखिला ले रहे हैं। बाद में ऐसे स्कूलों पर निदेशालय कार्रवाई करता है। लेकिन इस साल भी कई स्कूलों ने हाईकोर्ट द्वारा प्रतिबंधित दाखिला मानदंडो के आधार पर दाखिले के आवेदन पत्र भरवाएं हैं। हालांकि, निदेशालय ने अब तक हाईकोर्ट के नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। सिर्फ इतना ही नहीं दिन स्कूलों ने अभी तक दाखिला मानदंड शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर अभी तक अपलोड नहीं किए हैं उन पर भी निदेशालय ने कोई कार्रवाई नहीं की है। शिक्षा निदेशालय के निजी स्कूल शाखा के सहायक शिक्षा निदेशक योगेश पाल सिंह से जब शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर दाखिला मानदंड न अपलोड करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि निदेशालय की प्राथमिकता पर डीडीए की जमीन पर बने नामी निजी स्कूल हैं। उन्होंने कहा कि जिन स्कूलों ने अभी तक दाखिला मानदंड नहीं अपलोड किए हैं उनमें डीडीए की जमीन पर बने किसी नामी निजी स्कूल का नाम नहीं है।

दिल्ली में एक महीने के दौरान 125 रुपये बढ़ गए रसोई गैस सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में लगातार दूसरे दिन सोमवार को पेट्रोल-डीजल के दाम तो नहीं बढ़े, लेकिन रसोई गैस सिलेंडर बढ़ी कीमत ने लोगों को बड़ा झटका दिया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की वेबसाइट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली में 14.9 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर के दाम में सोमवार को 25 रुपये का इजाफा किया गया है, जिसके बाद राजधानी में अब घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 794 से बढ़कर 819 रुपये हो गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमत 819 रुपये और कोलकाता में 845.50 रुपये हो गई। देश के अन्य मेट्रो सिटी चेन्नई में रसोई गैस सिलेंडर का दाम 835 रुपये हो गया है।यहां पर बता दें कि 1 फरवरी से लेकर 1 मार्च के बीच 14.2 किलोग्राम रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 125 रुपये का इजाफा हो गया है।

इससे पहले 1 फरवरी को रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 25 रुपये, 15 फरवरी को 50 और फिर 25 फरवरी को 25 रुपये का इजाफा किया गया। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर सोमवार यानी 1 मार्च को रसोई गैस के दाम में 25 रुपये प्रति किलो गैस सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई। ऐसे में एक महीने के दौरान रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 125 रुपये का इजाफा हो चुका है।

गौरतलब है कि 2 महीने में 6 बार रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी की गई है। जाहिर है इस बढ़ोतरी का असर किचन पर पढ़ना तय है। इससे पहले 1 जनवरी 2021 को रसोई गैस के सिलेंडर की कीमत 694 रुपये थी। इसके बाद एक मार्च को यह बढ़कर 819 रुपये प्रति पहुंच गई है। इससे पहले अंतिम बार 25 मई को गैस सिलेंडर के दामों में इजाफा किया गया था। बता दें कि रसोई गैस के दामों में महीने की पहली तारीख को समीक्षा की जाती है, जिसमें दाम घटाने या बढ़ाने का निर्णय लिया जाता है।

कांग्रेस में खुली जंग के मिल रहे संकेत, सिर्फ एक चिंगारी का इंतजार

नई दिल्ली। कांग्रेस में खुली जंग के संकेत दिल्ली में भी मिल रहे हैं। सिर्फ एक चिंगारी का इंतजार है, आग भड़क उठेगी। जल्द यहां अहम बैठक होने वाली है। इसी में विरोध की अगली रणनीति तय होगी। यह भी स्पष्ट हो जाएगा कि दिल्ली में बगावत का सेनापति कौन होगा। पुराने कांग्रेसी मुखर हो रहे हैं। उनका कहना है कि कोरोना के चलते स्थिति नियंत्रण में है, अन्यथा दिल्ली के साथ और राज्यों में भी बगावत हो चुकी होती। दशकों से पार्टी को मजबूत कर रहे नेताओं की बात सुनी जानी चाहिए। गौरतलब है कि असंतुष्ट 23 नेताओं में दिल्ली के भी चार शामिल हैं। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, पूर्व सांसद संदीप दीक्षित व पूर्व विस अध्यक्ष योगानंद शास्त्री हैं। सूचना है कि इन असंतुष्ट नेताओं की फेहरिस्त और लंबी हो गई है। इनमें कई पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक भी शामिल हो गए हैं। असंतुष्ट पार्षद भी एक-एक कर पार्टी को अलविदा कह रहे हैं। सूत्रों की मानें तो असंतुष्ट नेताओं ने तय किया है कि पार्टी में सुधार की मांग को देशव्यापी बनाने के लिए दिल्ली से आवाज उठना जरूरी है। इसीलिए जल्द यहां बैठक की तैयारी चल रही है। इस बैठक में राजधानी के सभी असंतुष्टों की भूमिका तय की जाएगी। साथ ही यह तय होगा कि किसे, कब और कहां क्या कहना है। कांग्रेस की कमान अगर अनुभवहीन नेताओं को थमाकर अनुभवी नेताओं को घर बैठा दिया जाएगा, तो पार्टी का पतन निश्चित ही है। अपनी कमियां स्वीकार करना और उन्हें दूर करना गलत बात नहीं है। कमी बताता भी वही है, जिसे पार्टी की चिंता हो। वरना जिस तरह और बहुत से नेता पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, वे भी निकल जाएंगे। जब नेता ही नहीं रहेंगे, तो पार्टी का वजूद भी नहीं रह पाएगा। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रयोग सत्ता में रहते हुए किए जाते हैं और कांग्रेस की स्थिति प्रयोग करने की नहीं है।

चार्टर्ड विमानों के लिए शुरू किए गए काम से यात्रियों का बच रहा समय

नई दिल्ली। आइजीआइ एयरपोर्ट पर चार्टर्ड विमानों के लिए शुरू किए गए जनरल एविएशन टर्मिनल (जीएटी) से हवाई यात्रियों का 40 मिनट का समय बच रहा है। वहीं, कोरोना काल में विमानन क्षेत्र में स्थिरता के बावजूद इस टर्मिनल से यात्र करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

वहां से वर्तमान में रोजाना 30 से ज्यादा चार्टर्ड विमानों का संचालन किया जा रहा है। वहीं करीब 120 यात्री चार्टर्ड उड़ानों से यात्र कर रहे हैं। गत पांच महीने में ही यात्रियों की संख्या में 25 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। आइजीआइ एयरपोर्ट पर पहले चार्टर्ड विमानों का संचालन टर्मिनल-एक से किया जाता था। अलग से टर्मिनल नहीं होने के कारण यात्रियों को दिक्कत होती थी। गत वर्ष सितंबर में चार्टर्ड विमानों के लिए जीएटी का निर्माण कराया गया। 150 करोड़ रुपये की लागत से बने इस टर्मिनल की क्षमता 150 चार्टर्ड उड़ानें संभालने की हैं। इसमें बी200 और जी650 टाइप के अधिकतम 65 जेट्स की पार्किंग की व्यवस्था है। शुरुआत में वहां से सिर्फ 24 उड़ानों का संचालन किया जा रहा था।

पांच महीने में ही चार्टर्ड विमानों की संख्या 30 से ज्यादा पहुंच गई। वहीं, वर्तमान में प्रतिदिन 120 से ज्यादा यात्री इसका प्रयोग कर रहे हैं। इस टर्मिनल से यात्र करने वाले 90 फीसद यात्री घरेलू जबकि 10 फीसद संख्या अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की है। इसका सबसे ज्यादा फायदा यह हुआ है कि लोगों के यात्र समय में खासी कमी आई है। दूर खड़े होने के कारण पहले टर्मिनल-1 से यात्रियों को चार्टर्ड विमान तक जाने में 45 मिनट का समय लगता था, घटकर सिर्फ पांच मिनट हो गया है। आठ लाख वर्ग फुट क्षेत्र में बने इस अत्याधुनिक टर्मिनल में एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, एकीकृत आइटी सिस्टम और परिधि सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली लगा है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के सीईओ विदेह कुमार जयपुरियार ने बताया कि इस टर्मिनल के बनने से कारोबारी वर्ग और जरूरतमंद लोगों को खासा फायदा हो रहा है। लोगों में चार्टर्ड उड़ानों के प्रयोग की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर एक यात्री के पास से तीन कारतूस बरामद, मचा हड़कंप

नई दिल्ली। तमाम सुरक्षा के बावजूद दिल्ली के पालम स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हैरान करने वाला मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, आइजीआइ एयरपोर्ट पर एक यात्री के पास से तीन कारतूस बरामद किए गए हैं, इससे वहां पर हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यात्री बागडोगरा की उड़ान पकड़ने एयरपोर्ट पर पहुंचा था। तलाशी में उनके हैंड बैग से कारतूस मिले। जिसके बाद उन्हें एयरपोर्ट पुलिस के हवाले कर दिया। आइजीआइ एयरपोर्ट पुलिस आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, मूल रूप से राजस्थान के कोटा निवासी राहुल गौतम हवाई यात्रा के लिए 28 फरवरी को पालम स्थित आइजीआइ एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। उनका स्पाइस जेट की उड़ान संख्या एसजी-287 से बागड़ोगरा का टिकट बना हुआ था। चेकइन के बाद सुरक्षा जांच के लिए राहुल सेक्यूरिटी होल्ड एरिया में पहुंचे। वहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने जब उनके बैग की जांच की तो उसमें कारतूस होने का पता चला। तलाशी लेने पर बैग से तीन कारतूस बरामद हुए, जिसके बाद यात्री को कारतूस के साथ पुलिस के हवाले कर दिया गया। दिल्ली पुलिस ने जब राहुल से कारतूस के संबंध में पूछताछ की तो वे उस संबंध में कुछ भी नहीं बता सके। यात्री के नाम से हथियार का कोई लाइसेंस भी नहीं है। जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। दरअसल, सुरक्षा कारणों से ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्युरिटी ने एयरपोर्ट के अंदर व विमान में हथियार व करातूस इत्यादि ले जाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। बता दें कि दिल्ली एयरपोर्ट पर 24 घंटे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। पिछले कुछ सालों के दौरान यहां पर सुरक्षा के मद्देनजर अत्याधुनिक मशीनें भी लगाई गई हैं। इससे यहां से शातिर अपराधियों कै पकड़े जाने के ज्यादा मौके आते हैं।

संपादकीय

फिर आ गए इम्तिहान वाले दिन

इम्तिहान के दिन आ रहे हैं और चिंता शुरू हो गई है। बहुत से बच्चे तो मनाते हैं कि किसी न किसी तरह इम्तिहान टल जाएं। कई बार तो ऐसा होता है कि पूरे साल मेहनत की होती है, लेकिन जैसे ही प्रश्नपत्र सामने आता है, सब कुछ भूल जाते हैं। या बहुत कुछ आते हुए भी, उस समय ठीक से याद नहीं आता। ऐसी मुश्किलों से हर पीढ़ी के लोग गुजरे हैं। प्रश्नपत्र सामने आने से पहले खूब डर लगता था। दिल की धड़कनें बढ़ जाती थीं। पेपर से पहले रात भर तरह-तरह की चिंता में नींद नहीं आती थी। डर लगा रहता था कि कहीं कुछ पढ़ने से रह न गया हो। तब बड़े समझाते थे कि तुम्हें सब आता है, घबराओ मत। प्रश्नपत्र जब मिलेगा, तब सारा डर खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगा। पूरे आत्मविश्वास से परीक्षा देना। पहले ध्यान से पूरे प्रश्नपत्र को पढ़ना। जो आता हो, उसे सबसे पहले करना।

इन दिनों भी बच्चों को इस तरह की परेशानियां और चिंताएं बहुत होती हैं। कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों के लिए एक किताब भी लिखी थी- एग्जाम वॉरियर्स। इस साल भी वह इम्तिहान से पहले बच्चों को संबोधित करने वाले हैं। इम्तिहानों के डर से बहुत से बच्चे घर तक से भाग जाते हैं या बीमार पड़ जाते हैं। इसीलिए इन दिनों सीबीएसई और तमाम राज्य सरकारें इम्तिहान के दिनों में बच्चों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करती हैं। तमाम एफएम चैनल्स में मनोवैज्ञानिक और काउंसलर बच्चों की मदद के लिए मौजूद रहते हैं। इम्तिहान के समय होने वाली चिंता, समय पर कुछ न याद आना, प्रश्नपत्र देखते ही सब कुछ भूल जाने को अंग्रेजी में 'टेस्ट एंग्जाइटी' कहते हैं। बताया जाता है कि 16 से 20 प्रतिशत तक बच्चे तरह-तरह की एंग्जाइटी के शिकार होते हैं। अमेरिका में 10 से लेकर 40 प्रतिशत तक बच्चे टेस्ट एंग्जाइटी से पीड़ित पाए गए हैं। इम्तिहानों में अच्छा कर सकें, इसके लिए थोड़ी-बहुत चिंता या तनाव तो ठीक है, लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा बढ़ जाना ठीक नहीं है। बच्चों को तरह-तरह के डर सताते हैं कि कहीं फेल न हो जाएं। नंबर अच्छे नहीं आए, तो माता-पिता, दोस्तों और अड़ोसी-पड़ोसियों का सामना कैसे करेंगे? वैसे भी, इन दिनों माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे के हर विषय में सौ में सौ अंक आएं। वे क्लास में ही नहीं, पूरे बोर्ड एग्जाम में टॉप करें। इस तरह की उम्मीद बच्चों का तनाव बढ़ाती हैं। न केवल तनाव, बल्कि उल्टी, पेट दर्द, जरूरत से ज्यादा पसीना आने लगता है। इससे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। 2014 में एनसीआरबी की रिपोर्ट में बताया गया था कि बोर्ड के इम्तिहानों की चिंता के कारण आत्महत्या करने वाले बच्चों की संख्या तमिलनाडु में सबसे ज्यादा है। वहां बोर्ड के इम्तिहानों से पहले सौ बच्चों पर एक अध्ययन किया गया था। इनमें 50 लड़के और 50 लड़कियां थीं। इस अध्ययन में पता चला कि आठ प्रतिशत बच्चे ऐसे थे, जिनमें इम्तिहान की चिंता या टेस्ट एंग्जाइटी जरूरत से ज्यादा थी। इसे सीवियर टेस्ट एंग्जाइटी कहते हैं। 38 प्रतिशत में कुछ कम और चार प्रतिशत में मामूली थी। लड़कियों के मुकाबले लड़कों में टेस्ट एंग्जाइटी ज्यादा थी। इसके अलावा, संयुक्त परिवारों के मुकाबले, एकल परिवारों में रहने वाले बच्चे इससे अधिक ग्रस्त थे। इसका कारण बताया गया कि माता-पिता यदि बच्चों पर ध्यान न भी दे पाएं, तो दादा-दादी का सहारा मिल जाता है और उन्हें इम्तिहान के दिनों में कम तनाव और चिंता होती है। संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चों में सीवियर टेस्ट एंग्जाइटी पाई ही नहीं गई। इम्तिहान के दिनों में लगभग सभी बच्चों में चिंता के लक्षण देखे गए। दसवीं, बारहवीं के बच्चों में नौवीं, ग्यारहवीं के बच्चों के मुकाबले अधिक टेस्ट एंग्जाइटी पाई गई। तो बच्चे क्या करें? विशेषज्ञों का कहना है कि इम्तिहान के दिनों में भी बच्चे पूरी नींद लें। पौष्टिक भोजन के साथ-साथ खूब पानी पिएं। हल्का व्यायाम भी करें, जिससे तरोताजा रह सकें। सैंपल पेपर उसी तरह से हल करें, जैसे कि इम्तिहान के समय करेंगे, इससे इम्तिहान में आने वाले पेपर का डर खत्म हो जाता है। बार-बार टेस्ट दें। इससे लिखने की आदत तो बनती ही है, समय पर पेपर पूरा करने का अभ्यास भी होता है। पढ़ने का टाइम टेबल भी बनाएं। जो न आता हो, उसे समझने में अध्यापकों और अपने घर के बड़े लोगों की मदद लें। फोकस करना सीखें। ऐसे छोटे-मोटे मनोरंजक प्रोग्राम समय-समय पर देखें, जो तनाव घटाते हैं और हंसाते हैं। यदि जरूरत हो, तो काउंसलर या मनोवैज्ञानिक की मदद लें। इसके अलावा इम्तिहान केंद्र में कई बार बच्चे एडमिट कार्ड लाना भूल जाते हैं। इम्तिहान के दिनों में लिखने-पढ़ने के सामान एक जगह ही रखें, ताकि खोजने में समय खराब न हो। अच्छा यह भी रहता है कि इम्तिहान शुरू होने से पंद्रह मिनट पहले परीक्षा केंद्र में पहुंच जाएं, क्योंकि कई बार ऐसी दुर्घटनाएं हो जाती हैं, जिनका पहले से पता नहीं होता। जैसे कि ट्रैफिक जाम में फंसना, साइकिल का पंक्चर होना, जिस दोस्त के साथ जाना था, उसका न आना या देर से आना। घर में किसी का अचानक बीमार पड़ जाना। यदि परीक्षा केंद्र पर जल्दी जाने के बारे में सोचेंगे, तो इन सभी मुश्किलों से आसानी से निपट सकते हैं। इसके अलावा, पहले पहुंचकर दोस्तों से हंसी-मजाक करके भी तनाव कम होता है। हालांकि, कुछ मामलों में देखा गया है कि दोस्त की तैयारी के बारे में जानकर अपनी तैयारी पर शक होने लगता है, इसलिए तनाव व परीक्षा का डर बढ़ता है। परीक्षा के दिनों में माता-पिता को बच्चों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कहीं ऐसा न हो कि वे बच्चे की परेशानी से बेखबर रहें और बच्चा अगली किसी भारी परेशानी में पड़ जाए। जैसे उनका घर से भागना या आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाना। कोरोना जैसी महामारी और ऑनलाइन पढ़ाई के बाद पहली बार इम्तिहानों का समय आया है, इस बार वाकई बच्चों में आत्मविश्वास कम होगा और दबाव ज्यादा। यह प्रश्नपत्र से लेकर कॉपी जांचने और परिणाम तक उदारता बरतने का समय है। पुराने दिनों को याद करती हूं, तो इम्तिहान के दिनों में इतनी नींद आती थी कि किताब सामने है और झपकी आ रही है। मगर जिस दिन इम्तिहान खत्म हो जाते थे, नींद का कहीं पता नहीं होता था। शायद आज भी बच्चों के साथ ऐसा ही होता होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

पिछले कुछ वर्षों में इंटरनेट मीडिया अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा

इसलिए आज जरूरत है कि इंटरनेट मीडिया का वैधानिक नियमन करने के लिए ऐसी व्यवस्था की जाए, ताकि इसका सकारात्मक उपयोग बढ़े और नकारात्मक उपयोग कम-से-कम हो। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में पुट्टास्वामी मामले में निजता के अधिकार को मूल अधिकार माना है। विशेषज्ञों के एक तबके का मानना है कि इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल्स को आधार से लिंक करने के बाद उनका विनियमन करना निजता के अधिकार के विरुद्ध है। इससे व्यक्ति से संबंधित व्यक्तिगत या गोपनीय सूचनाओं के सार्वजनिक हो जाने का भय बना रहेगा। एक बात और भी है कि डाटा सुरक्षा को लेकर भारत द्वारा कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया गया है।

भारत में इंटरनेट मीडिया के बेलगाम होते दौर में इसके अनेक दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। समय आ गया है कि इस बारे में समग्रता से विचार किया जाए। दरअसल भारत में सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) एक्ट में वर्ष 2008 के बाद से कोई खास संशोधन नहीं हुआ है। अच्छी बात यह है कि अब माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर के साथ चल रहे विवाद के बीच केंद्र सरकार इंटरनेट मीडिया के विनियमन के संबंध में एक प्रारूप तैयार कर रही है। इस प्रारूप में इंटरनेट मीडिया के विभिन्न आयामों, स्ट्रीमिंग और ओटीटी प्लेटफॉर्म समेत समाचारों से संबंधित वेबसाइट्स के लिए नियम तय किए गए हैं।

नए नियमों के अनुसार इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एक मुख्य अनुपालन अधिकारी की नियुक्ति करनी होगी। यह अधिकारी 24 घंटे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के निर्देशों का जवाब देगा। इसके अलावा, सरकार सूचना प्रौद्योगिकी/ आइटी अधिनियम की धारा 79 में संशोधन भी कर रही है। दरअसल केंद्र सरकार चाहती है कि इंटरनेट मीडिया कंपनियां घृणा, अफवाह और नफरत फैलाने वाले कंटेंट को हटाने के संबंध में अधिक संवेदनशील हों। ज्ञातव्य है कि भारत में इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म पहले से ही सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) अधिनियम, 2008 के दायरे में आते हैं।

हालांकि भारत में फेक न्यूज को रोकने के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। बात अगर टाइमिंग की करें तो केंद्र सरकार ने आइटी नियमों में बदलाव की घोषणा ऐसे समय में की है, जब ट्विटर और केंद्र सरकार के बीच विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। गौरतलब है कि पिछले दिनों आइटी मंत्रलय ने गलत तथ्यों और सूचनाओं के जरिये कृषि कानून विरोध आंदोलन को भड़काने में शामिल करीब 1,100 ट्विटर

अकाउंट की पहचान कर उन्हें बंद करने का निर्देश दिया था। परंतु ट्विटर ने करीब 500 ट्विटर अकाउंट बंद करने के बाद अन्य अकाउंट के खिलाफ यह कहकर कार्रवाई करने से मना कर दिया था कि सरकार की इच्छा के मुताबिक सभी को बंद नहीं किया जा सकता।

सनद रहे इंटरनेट मीडिया के विनियमन के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करने का प्रयास कई बार किया गया कि ऑनलाइन निजता के अधिकार को बनाए रखने, घृणास्पद संदेशों को फैलने से रोकने तथा फेक न्यूज की उत्पत्ति का पता लगाने के संदर्भ में इंटरनेट मीडिया का विनियमन आवश्यक है। एक आंकड़े के मुताबिक आज देश में इंटरनेट मीडिया के करीब 70 करोड़ यूजर्स हैं। यानी यह अभिव्यक्ति का बड़ा मंच बन चुका है। इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हालिया कई विवादों को देखते हुए यह आभास होने लगा है कि बेलगाम होते इस प्लेटफॉर्म के लिए आइटी से जुड़े पुराने नियमों की समीक्षा कर नए नियम-कायदे बनाना जरूरी है। अगर आइटी नियमों को और अधिक मजबूत बनाया जाता है तो इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीय कानून के प्रति ज्यादा जवाबदेह होंगे। नए नियमों के आने से डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म को भारतीय आचार संहिता का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध होना पड़ेगा।

आज डिजिटल/ इंटरनेट मीडिया रोटी, कपड़ा और मकान की तरह हमारे जीवनचर्या का एक अहम हिस्सा बनता जा रहा है। इंस्टाग्राम, ट्विटर, फेसबुक जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बिना आज जीवन की कल्पना करना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन इसका एक पहलू यह भी है कि इन प्लेटफॉर्म पर एक बार संदेश प्रसारित हो जाने के बाद उसका नियंत्रण हमारे हाथ में नहीं रहता। वह समाज के सामने किस प्रकार प्रस्तुत होगा, समाज पर किस प्रकार का असर डालेगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। विचार किए बिना सूचनाओं को प्रसारित करने की होड़ समाज में कई बार तनाव का कारण बनती है। आज यह माध्यम निर्बाध, अनियंत्रित और अमर्यादित अभिव्यक्ति का मंच बन गया है। किसी दूसरे व्यक्ति के सहमत नहीं होने पर गाली-गलौज करना और धमकियां देना आदि सामान्य होता जा रहा है। व्यक्ति और समुदाय विशेष के खिलाफ घृणा फैलाने और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने में भी इंटरनेट मीडिया की सक्रियता देखी गई है, इसीलिए सुप्रीम कोर्ट भी इसके नियमन के लिए सरकार से कानून बनाने को कह चुका है।

बात अगर हालिया विवाद में आए इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर की करें तो एक सीमित दायरे में ट्विटर का आकर्षण कुछ ऐसा है कि यहां यूजर्स का जो मन करता है, वे उसी तरह के कमेंट्स करते हैं, पलभर में सही या गलत चीजें, भद्दी गालियां और अनाप-शनाप कमेंट्स साइबर स्पेस में आ जाते हैं, जहां उनको कोई भी पढ़ सकता है। ये कमेंट्स कहीं से भी प्रमाणित नहीं होते। निश्चित तौर पर ट्विटर खराब ट्वीट और झूठ के सहारे बदनाम करने वाली जानकारियों की निगरानी जरूर करता है, लेकिन इस टास्क को प्रभावी तरीके से करने का काम बहुत बड़ा है। एक जानकारी के मुताबिक वर्ष 2020 में हर सेकंड औसतन छह हजार ट्वीट किए गए। हर मिनट 3.6 लाख ट्वीट किए गए और हर घंटे 2.16 करोड़ ट्वीट किए गए। जब इंटरनेट मीडिया के इतने शक्तिशाली प्लेटफॉर्म पर प्रोपेगेंडा के तहत दुष्प्रचार ट्रेंड होने लगें तो समझा जा सकता है कि ये कितना खतरनाक होगा।

दूसरी तरफ बात अगर फेसबुक की करें तो एक अनुमान के मुताबिक हर 40 मिनट में फेसबुक से संबंधित एक पोस्ट को हटाने की रिपोर्ट की जाती है। अधिकतर लोग बिना सोचे-विचारे ही किसी भी पोस्ट को साझा कर देते हैं। दरअसल टेलीग्राम, वाट्सएप और फेसबुक पर कई डिजिटल ग्रुप बने होते हैं। अक्सर ये ग्रुप किसी खास विचारधारा से प्रेरित होते हैं या किसी खास मकसद से बनाए जाते हैं। कहा जाए कि अधिकतर ग्रुप किसी न किसी विचारधारा से प्रेरित होते हैं तो गलत नहीं होगा। यहां बिना किसी रोक-टोक के धड़ल्ले से फेक न्यूज बनाए और साझा किए जाते हैं।

जाहिर है ये न्यूज किसी खास भावना या मकसद से तैयार किए जाते होंगे। फिर यह कहना गलत नहीं होगा कि सामाजिक सौहार्द के सामने इंटरनेट मीडिया एक चुनौती बन कर खड़ा है। अतः कहा जा सकता है कि डिजिटल मीडिया के अनाम-गुमनाम सिपाहियों की स्थिति तो बंदर के हाथ में उस्तरा जैसी है, उन्हें तो बस इसका यूज करना है, फिर चाहे वह परायों को काटे या अपनों को। इसलिए इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर से यह उम्मीद करना गलत है कि वह स्व-अनुशासन या स्व-नियमन जैसा कोई बड़ा कदम उठाएगा। इसलिए आज जरूरत है कि इंटरनेट मीडिया का वैधानिक नियमन करने के लिए ऐसी व्यवस्था की जाए, ताकि इसका सकारात्मक उपयोग बढ़े और नकारात्मक उपयोग कम-से-कम हो।

सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में पुट्टास्वामी मामले में निजता के अधिकार को मूल अधिकार माना है। विशेषज्ञों के एक तबके का मानना है कि इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल्स को आधार से लिंक करने के बाद उनका विनियमन करना निजता के अधिकार के विरुद्ध है। इससे व्यक्ति से संबंधित व्यक्तिगत या गोपनीय सूचनाओं के सार्वजनिक हो जाने का भय बना रहेगा। एक बात और भी है कि डाटा सुरक्षा को लेकर भारत द्वारा कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाया गया है।

नए हालात, नई रणनीति

केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि कोरोना के टीकाकरण का दूसरा चरण सोमवार एक मार्च से ही शुरू हो जाएगा और इसके तहत 60 साल से ऊपर के सभी व्यक्ति तथा 45 साल से ऊपर के एक से ज्यादा बीमारियों से ग्रस्त व्यक्ति टीका लगवा सकते हैं। यह टीकाकरण को लेकर अब तक लागू नीति में बहुत बड़ा बदलाव है। अब तक तय प्राथमिकताओं के मुताबिक कोरोना के फ्रंटलाइन वॉरियर्स यानी चिकित्सकों तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को ही टीका दिया जाना था। हालांकि 16 जनवरी से शुरू हुए पहले चरण में भी काफी तेजी से टीके दिए गए और अब तक एक करोड़ से ऊपर डोज पड़ चुके हैं, फिर भी सभी स्वास्थ्यकर्मियों को टीके का दोनों डोज देने का लक्ष्य अभी अधूरा है। इस बीच देश के कई राज्यों में कोरोना के नए मामलों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जिससे महामारी की दूसरी लहर आने का अंदेशा काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए रणनीति में यह बदलाव जरूरी था। अब संक्रमण की आशंका के बीच जी रहे बुजुर्ग और बीमार लोग टीका लेकर न केवल खुद को सुरक्षित कर सकते हैं बल्कि कोरोना के फैलाव को रोकने का जरिया भी बन सकते हैं। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीका उपलब्ध रहेगा जबकि प्राइवेट हॉस्पिटलों में इसके लिए भुगतान करना होगा। हालांकि वहां भी टीके के लिए मनमाना शुल्क नहीं वसूला जा सकेगा। सरकार इसकी कीमत तय करने वाली है। दो चैनलों के होने से फायदा यह होगा कि जरूरतमंद लोग सरकारी अस्पताल की लाइनों में खड़े होकर टीके लगवाएंगे और जो पैसे चुकाने की स्थिति में हैं वे पैसा खर्च करके इस सेवा का लाभ उठाएंगे। इससे एक तो सरकार पर हद से ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा और दूसरे कम से कम वक्त में ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाने का उद्देश्य पूरा होगा। कोरोना पर अंकुश लगाने के लिहाज से व्यापक टीकाकरण पिछले कुछ समय में एक कारगर उपाय के रूप में उभरा है।

अमेरिका समेत कई देशों में कोरोना की दूसरी लहर अगर कुछ हद तक काबू में दिख रही है तो उसके पीछे बड़े पैमाने पर टीकाकरण की अहम भूमिका मानी जा रही है। कोई कारण नहीं कि अपने देश में भी ऐसा होने की उम्मीद न रखी जाए। हालांकि वायरस की तरफ से भी चुनौतियां कमजोर नहीं पड़ रही हैं। केरल और महाराष्ट्र समेत दस राज्यों में हालात दोबारा गंभीर होते दिख रहे हैं। तीन राज्यों में दो नए स्ट्रेन भी देखे गए हैं। कोरोना वायरस के ये दोनों स्ट्रेन ब्रिटेन, साउथ अफ्रीका और ब्राजील के चिंताजनक स्ट्रेन्स से अलग हैं और अभी यह साफ नहीं है कि नए केसों में बढ़ोतरी के पीछे इनकी भी कोई भूमिका है या नहीं। लेकिन इससे इतना तो पता चल ही जाता है कि टीकाकरण के बावजूद आगे कठिन चुनौती है और अधिकाधिक सावधानी, दो गज दूरी, मास्क है जरूरी की आजमाई हुई नीतियों से इधर-उधर होना घातक हो सकता है।

प्रत्येक आंदोलन की एक निश्चित आयु होती है, उसे अनंतकाल तक नहीं चलाया जा सकता

तीनों कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं पर पिछले करीब तीन महीने से कुछ किसान संगठनों का आंदोलन जारी है। यह आंदोलन एक तरह से भ्रम और झूठ की राजनीति का विषवृक्ष है। कई विपक्षी दल इसे सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। नागरिकता संशोधन कानून के समय भी विपक्ष ने ऐसा ही भ्रमजाल फैलाया था। उस समय जिस प्रकार मुसलमानों को नागरिकता छीनने और 'देश निकाले' का डर दिखाया गया था, ठीक उसी प्रकार इस बार किसानों को जमीन छीनने और कॉरपोरेट का बंधुआ मजदूर बनने का डर दिखाया जा रहा है। किसान संगठनों और विपक्ष को अन्नदाताओं को बहकाने का अवसर इसलिए मिला, क्योंकि सरकार सही समय पर किसानों को सही बात बताने में नाकाम रही। संपर्क और संवाद की कमी इस आंदोलन की उपज का एक बड़ा कारण है। जिन दो-तीन बिंदुओं पर विपक्ष को किसानों को भड़काने और भरमाने का मौका मिला, उनमें केंद्र सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी और सरकारी खरीद-व्यवस्था की समाप्ति, बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा ठेके पर किसानों की जमीनें लेकर उन्हें हड़प लेने तथा किसानों को बंधुआ मजदूर बना लेने की आशंका और विवाद होने की स्थिति में न्यायालय जाने की विकल्पहीनता का भय खड़ा किया गया।

भोले-भाले किसान पंजाब की वर्चस्वशाली और आढ़तिया लॉबी के दुष्प्रचार के भी शिकार हो गए और उनके बहकावे में आकर घर से निकल पड़े। दरअसल इन कानूनों से नुकसान बिचौलियों और आढ़तियों को होना है। इसलिए उन्होंने इन कानूनों को रद कराने के लिए सारी शक्ति और संसाधन झोंक डाले। पंजाब की कांग्रेस सरकार और आढ़तिया लॉबी द्वारा सुलगाई गई यह आग धीरे-धीरे हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों में भी फैल गई। बिजली संशोधन विधेयक, पराली जलाने पर दंडात्मक कार्रवाई वाले कानून और गन्ना किसानों की लंबे समय से बकाया राशि के भुगतान में चीनी मिलों द्वारा की जा रही आनाकानी आदि कारणों ने इस आग में घी का काम किया। हालांकि 26 जनवरी की घटना के बाद इस आंदोलन ने अपना नैतिक बल खो दिया है और इसी कारण उसका चक्का जाम और रेल रोको का आयोजन सीमित असर वाला ही साबित हुआ। किसान नेताओं को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी घेराबंदी ने दिल्ली और आसपास के लाखों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में तमाम मुश्किलें खड़ी कर दी है। किसान नेताओं को इन निर्दोष नागरिकों की परेशानियों की भी चिंता करनी चाहिए और अपनी जिद छोड़नी चाहिए। जनता की सहानुभूति खोकर कोई भी आंदोलन सफल नहीं हो सकता। सरकार और धरनारत किसानों के बीच करीब एक दर्जन बार वार्ता हो चुकी है। केंद्र सरकार ने तीनों कानूनों को तत्काल रद करने के अलावा किसानों की तमाम मांगें मान ली हैं। इसके साथ ही सरकार ने समझौते और समाधान के लिए गंभीरता दिखाते हुए तीनों कानूनों को 18 महीने तक स्थगित रखने और इस बीच आंदोलनरत किसान संगठनों और सरकार के प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति बनाने का भी वादा किया है। यह संयुक्त समिति 18 महीने की अवधि में इन कानूनों पर तमाम हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श कर लेगी और जो भी प्रतिगामी प्रविधान होंगे, उन्हें हटा दिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर इस अवधि को 18 महीने से बढ़ाकर दो साल भी किया जा सकता है, जैसा कि पंजाब सरकार ने मध्यस्थ की भूमिका निभाते हुए प्रस्तावित किया। यह बहुत ही व्यावहारिक प्रस्ताव है। इस संयुक्त समिति के पास किसानों की दशा सुधारने के लिए कुछ ठोस और जमीनी प्रस्ताव देने का भी अवसर रहेगा, लेकिन हैरानी इस पर है कि किसान नेता इस प्रस्ताव को लेकर भी गंभीर नहीं हैं। इससे पहले वे उच्चतम न्यायालय द्वारा बनाई गई विशेषज्ञ समिति का भी बहिष्कार कर चुके हैं। यह अच्छा है कि यह समिति इस बहिष्कार की चिंता किए बगैर अपना काम कर रही है। यह अफसोस की बात है कि शुरू से लेकर किसान नेता तीनों कानूनों को रद करने की अपनी एकसूत्रीय मांग पर अड़े हुए हैं। इस प्रकार की जिद समाज, लोकतंत्र और स्वयं किसानों के लिए भी घातक है। बातचीत में सिर्फ कहना नहीं होता, सुनना और समझना भी होता है।

प्रत्येक आंदोलन की एक आयु होती है। उसे अनंतकाल तक नहीं चलाया जा सकता। जो किसान नेता अपनी राजनीति चमकाने के फेर में इस आंदोलन का अधिकतम दोहन कर लेना चाहते हैं और अक्टूबर तक धरना चलाने की घोषणा कर रहे हैं, वे इस बात को समझ लें कि सब कुछ पाने के फेर में जो कुछ पाया जा सकता है, उससे भी हाथ धोना पड़ जाता है। जब लंबा खिंचता आंदोलन गुटबाजी और अंतर्विरोधों का शिकार होकर टूट-बिखर जाएगा तो आज जिन किसानों ने उन्हें कंधों पर बैठा रखा है, वही किसान उन्हें कोसेंगे। किसान नेताओं की सारी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं स्वाहा हो जाएंगी और बेचारे किसान जो सचमुच समस्याग्रस्त हैं, उनके हाथ भी कुछ नहीं आएगा।

रबी की फसल की कटाई का समय निकट आ रहा है। अगर उस वक्त किसान वापस लौट जाएंगे तो आंदोलन बेनतीजा खत्म हो जाएगा और अगर वे जिद में आकर जमे रहेंगे तो उनकी फसलें बर्बाद हो जाएंगी। इससे पहले से ही परेशान अन्नदाता और मुश्किलों में फंस जाएंगे। कोरोना के कारण पस्त अर्थव्यवस्था को भी इससे भारी नुकसान होगा। संभवतः सरकार ने इसी पहलू को ध्यान में रहकर इतनी निर्णायक पहल की।

संस्कृति और उसके संस्कारों को जानने के लिए उसकी भाषा को जानना जरूरी

हर भाषा मूल्यों, परंपराओं और रीति- नीति, किस्से-कहानियों, आचार-विचार की सांस्कृतिक निधि की वाहक होती है। यदि किसी संस्कृति और उसके संस्कारों को गहराई से जानना है तो उसके लिए उसकी भाषा को जानना जरूरी है। भाषा और संस्कृति ऐतिहासिक रूप से परस्पर एक-दूसरे की पूरक हैं। भाषा किसी समुदाय को, उसकी संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है। आइए हम इस भाषाई विविधता को मजबूती दें, विभिन्न भाषाओं को नया जीवन दें, जो हमारी बहु सांस्कृतिक, बहु भाषाई सभ्यता की नसों में दौड़ती हैं, जो हमारी निजी, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पहचान में गुंथी हुई हैं।

हमारी प्राचीन भूमि भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का संगम रही है। सदियों से भारत ने असंख्य भाषाओं और बोलियों में दिव्यता के दर्शन किए हैं, जो अपनी पूरी जीवंतता के साथ हमारी रंग-बिरंगी सांस्कृतिक विविधता में रची-बसी रही हैं। मातृ भाषा सिर्फ संवाद का स्वाभाविक माध्यम ही नहीं है, बल्कि किसी भी व्यक्ति या समुदाय की सांस्कृतिक पहचान भी होती है। इसलिए जरूरी है कि सरकार मातृ भाषा में पढ़ाई को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाए और जमीनी स्तर पर उसका पालन भी सुनिश्चित करे। कई भाषाओं की चिंताजनक स्थिति और भविष्य में उन्हें लुप्त होने से बचाने तथा अपने सदस्य देशों की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित रखने के लिए नवंबर 1999 में यूनेस्को ने 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के रूप में मनाना स्वीकार किया। संयुक्त राष्ट्र की इस संस्था ने विश्व की आधी से अधिक भाषाओं के भविष्य को लेकर चिंता जाहिर करते हुए आशंका व्यक्त की है कि शताब्दी के अंत तक ये भाषाएं प्रायः विलुप्त हो जाएंगी। 2021 के लिए अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस का विषय है, 'समावेशी शिक्षा और समाज के लिए बहु-भाषिता को प्रोत्साहन।' यह इस अवधारणा पर आधारित है कि एक समावेशी समाज बनाने के लिए बहुभाषिता जरूरी है। यह सिद्धांत प्रधानमंत्री मोदी के शासन दर्शन की मूल भावना 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के भी अनुरूप है।

हम भारतवासियों के लिए अंतरराष्ट्रीय मातृ भाषा

दिवस का विशेष महत्व है। सांस्कृतिक और भाषाई विविधता, भारतीय सभ्यता का आधार रही है। हमारे मूल्य और मर्यादाएं, आदर्श और आकांक्षाएं, जीवन और साहित्य, सभी हमारी मातृ भाषाओं में ही अभिव्यक्ति पाते रहे हैं। भाषाओं और बोलियों की यह समृद्ध विविधता हमारी स्थानीय ज्ञान परंपराओं की वाहक है, जिन पर आज लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति उस मानसिकता के कारण बनी, जिसमें अपनी ही मातृभाषा को लेकर हीनभावना रखने का चर्तुदिक दबाव रहता है और अंग्रेजी में प्रवीणता के झूठे आडंबर को थोथी बौद्धिकता का द्योतक माना जाता है। मातृ भाषा के प्रति तिरस्कार की यह मानसिकता जीवन के शुरुआत से ही पनपने लगती है। स्कूली शिक्षा के स्तर से ही अंग्रेजी ज्ञान को महिमामंडित किया जाता है। यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। महात्मा गांधी के पास स्वाभाविक रूप से दूरदृष्टि थी। उन्होंने चेताया था, 'यदि अंग्रेजी पढ़े-लिखे लोग अपनी मातृ भाषा को नजरंदाज करते हैं तो हमें भाषाई विपन्नता जकड़ लेगी।'

अध्ययन बताते हैं कि आत्मसम्मान और सृजनात्मकता बढ़ाने, ज्ञान को बेहतर ढंग से समझकर आत्मसात करने के लिए बच्चों के शुरुआती वर्षों में सिखाने का माध्यम मातृ भाषा होनी चाहिए। नेल्सन मंडेला ने कहा था, 'यदि आप किसी व्यक्ति से ऐसी भाषा में बात करते हैं, जो वह समझ सकता है तो वह उसके मस्तिष्क में घर करती है, लेकिन अगर उसकी अपनी भाषा में बात करते हैं तो वह सीधे उसके हृदय को छूती है।' मातृ भाषा व्यक्ति के परिवेश से निकटता से जुड़ी होती है।

इस विषय में यूनेस्को के पूर्व महानिदेशक कोइचिरो मत्सुरा ने कहा था, 'जो भाषा हम अपनी मां से सीखते हैं, वह हमारे अंर्तिनहित नैर्सिगक विचारों का घर होती है।' अभिभावकों और शिक्षकों को ही गहरे पैठे इस पूर्वाग्रह से खुद को मुक्त करना होगा कि अच्छी शिक्षा तभी मिल सकती है जब सिखाने का माध्यम अंग्रेजी हो। स्कूल के प्राथमिक स्तर पर अध्ययन और अध्यापन मातृ भाषा में ही होना चाहिए। यही वह समय होता है, जब बच्चों के भाषा ज्ञान और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत बनाया जाता है।

अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाएं सीखने में भी मदद करनी चाहिए, जिससे उनकी वैश्विक दृष्टि व्यापक हो। विश्व के कई भागों में बच्चे रोजमर्रा में कम से कम दो भाषाएं प्रयोग करना जानते हैं। हमारे देश में भी कई राज्यों में लोग रोजमर्रा के जीवन में इस प्रकार की बहुभाषी और सांस्कृतिक विविधता का अनुभव करते हैं। भाषाई प्रवीणता बच्चों में सीखने-समझने की क्षमता विकसित करने में सहायक होती है। मातृ भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं को जानने से बच्चों में सांस्कृतिक सामंजस्य की क्षमता विकसित होती है और उनके लिए अनुभवों का नया संसार खुल जाता है। हर भाषा स्थानीय ज्ञान परंपरा की वाहक होती है, वहां की समृद्ध साहित्यिक और बौद्धिक विरासत, लोक संस्कृति, किंवदंतियों और मुहावरों से संपन्न होती है। भाषाई जनगणना, जिसके परिणाम 2018 में प्रकाशित हुए, के अनुसार भारत में 19500 भाषाएं और बोलियां हैं। 121 ऐसी भाषाएं हैं, जिन्हें देश में 10 हजार या उससे अधिक लोग बोलते हैं। 196 भारतीय भाषाएं 'लुप्तप्राय' हैं, जिनके संरक्षण और संवर्धन की तत्काल जरूरत है।

मेरा सदैव मानना रहा है कि प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में मातृ भाषा का अधिकाधिक प्रयोग बढ़ाया जाना चाहिए। सामान्य नागरिक से उसकी भाषा में ही संवाद करने से आप प्रशासन को उसके द्वार तक पहुंचाते हैं। मैं भारत सरकार के विभिन्न अंगों द्वारा की गई पहल का स्वागत करता हूं, जिनके द्वारा स्थानीय भाषाओं या प्रदेश की राजकीय भाषा में परीक्षा देना संभव हो सका है। राज्यसभा में भी ऐसे प्रविधान किए गए हैं, जिससे सदस्य अनुसूचित 22 भाषाओं में से किसी में भी अपने विचार रख सकते हैं। बहुभाषावाद की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों को 22 अनुसूचित भाषाओं में से छह भाषाओं में अनुवाद कराने का निर्णय लिया है। यह अभी शुरुआत ही है। इससे हर किसी की पहुंच न्याय तक हो सकेगी।

हर भाषा मूल्यों, परंपराओं और रीति- नीति, किस्से-कहानियों, आचार-विचार की सांस्कृतिक निधि की वाहक होती है। यदि किसी संस्कृति और उसके संस्कारों को गहराई से जानना है तो उसके लिए उसकी भाषा को जानना जरूरी है। भाषा और संस्कृति ऐतिहासिक रूप से परस्पर एक-दूसरे की पूरक हैं। भाषा किसी समुदाय को, उसकी संस्कृति को प्रतिबिंबित करती है। आइए हम इस भाषाई विविधता को मजबूती दें, विभिन्न भाषाओं को नया जीवन दें, जो हमारी बहु सांस्कृतिक, बहु भाषाई सभ्यता की नसों में दौड़ती हैं, जो हमारी निजी, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पहचान में गुंथी हुई हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

जनता दल यूनाइटेड महिला विंग ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 70 वें जन्मदिन को मनाने के लिए एक केक काटती हुई ।

चिराग पासवान ने फिर सीएम नीतीश पर बोला बड़ा हमला, कहा- कुछ समय में गिर जाएगी नीतीश सरकार

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान ने लंबी चुप्पी के फिर सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने पार्टी नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए बड़े-बड़े दावे भी किए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार जिस तरीके से चल रही है, वैसे ज्यादा दिन नहीं चलेगी। कुछ ही समय में नीतीश सरकार गिर जाएगी। लोजपा के कार्यकर्ता और नेता संगठन की मजबूती के लिए जुट जाएं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार केवल कुर्सी के लिए सरकार चला रहे हैं।

बता दें कि आज चिराग ने सिर्फ नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। उन्होंने बिहार की एनडीए सरकार में शामिल भाजपा व अन्य पार्टियों पर टिप्पणी करने से साफ बचते नजर आए।

लोजपा के एकमात्र विधायक राजकुमार सिंह बैठक में शामिल नहीं

हुए। इसी तरह चिराग के चाचा व सांसद पशुपति कुमार पारस भी बैठक में उपस्थित नहीं दिखे। जानकारी मिली कि पारस दिल्ली में हैं। हालांकि विधायक राजकुमार सिंह के बारे में पहले से ही जदयू में जाने की चर्चा है। वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी से मुलाकात भी कर चुके हैं।

चिराग ने कहा कि हम संगठन को मजबूत बनने के लिए काम करेंगे। हमें अगले चुनाव के लिए गठबंधन की चिंता नही है। इसकी चिंता उन्हें करने की आवश्यकता है जो हमारे कारण हारते हैं। चिराग ने दावा भी किया कि वे हमारे पास गठबंधन के लिए फिर आएंगे। वे से उनका संकेत जदयू (छुष्ठ) और नीतीश कुमार की ओर था। उन्होंने कहा कि प्रदेश लोजपा की कार्यकारिणी से लेकर जिलाध्यक्षों की घोषणा शीघ्र की जाएगी। पार्टी ने प्रदेश में एक करोड़ मतों के लक्ष्य को सुनिश्चित करने का फैसला किया है।

बिहार में शराबबंदी फेल

चिराग पासवान ने बिहार में शराबबंदी पूरी तरह फेल बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी के नाम पर प्रदेश में शराब तस्कर पैदा कर रहे हैं। पुलिस-प्रशासन खुद शराब की तस्करी में शामिल होकर तस्करों की मदद कर रहे हैं।

प्रदेश में विधि व्यवस्था ध्वस्त

चिराग ने राज्य में लॉ एंड ऑर्डर को लेकर भी सीएम नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिया है। कहा कि सुशासन की सरकार का दावा करनेवाले नीतीश बताएं कि हर रोज हत्या और दुष्कर्म समेत अन्य अपराध क्यों बढ़ रहे हैं। सरकार कानून व्यवस्था के मोर्चे पर फेल हो चुकी है। बिहार में विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

संक्षिप्त खबर

पुलिस की मदद करेंगी महिलाएं, कानपुर के थानों में बनेगी महिला सलाहकार सुरक्षा समिति

कानपुर । महिला अपराधों से संबंधित मामलों में तेजी से निस्तारण कराने के लिए मिशन शक्ति योजना के तहत अब थानावार महिला सलाहकार सुरक्षा समिति का गठन किया जाएगा। पुलिस मित्र के रूप में ये महिलाएं पीड़िता और पुलिस प्रशासन के बीच सेतु का काम करेंगी और जरूरत पडने पर घरेलू मामलों में काउंसिलिंग के जरिए निस्तारण भी करेंगी। हर समिति में 10 से 20 महिलाएं शामिल की जाएंगी। महिलाएं किसी अपराध के होने पर अमूमन थाने की चौखट पर आने से घबराती हैं। यही नहीं पुरुष पुलिसकर्मी के होने पर वह अपनी बात सहजता से नहीं कह पातीं या फिर ठीक से पैरवी नहीं कर पाती हैं। महिलाओं की इसी समस्या को देखते हुए मिशन शक्ति योजना के तहत थानों में महिला हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई थी। अब महिलाओं की सुरक्षा और उनकी आवाज को पुलिस प्रशासन तक पहुंचाने के लिए हर थाने में महिला सलाहकार व सुरक्षा समिति का गठन किया जा रहा है।

इस समिति में थानाक्षेत्र की संभ्रांत महिलाओं को उसी तरह से शामिल किया जाएगा, जिस तरह से थानेवार पीस कमेटी का गठन किया गया था। पुलिस के मुताबिक कमेटी में क्षेत्र की संभ्रांत समाजसेवी, शिक्षिकाएं, अधिवक्ता व महिला उद्यमी के साथ ही राजनीति में सक्रिय महिलाएं भी शामिल की जाएंगी। ये महिलाएं किसी पारिवारिक विवाद के होने पर काउंसलर की भी भूमिका निभाएंगी, ताकि पीड़िताओं को उनके परिवार में सम्मानजनक स्थान दिलाकर झगड़ों को खत्म किया जा सके। पीड़ित महिलाएं कमेटी की सदस्यों से अपनी परेशानी खुलकर बता सकेंगी। इससे उनकी समस्या को हल करने में पुलिस को आसानी होगी।

विधायक अंबा की जय-जय, बड़कागांव में रैयतों को वापस मिली जमीन

रांची । बड़कागांव, हजारीबाग के पसेरिया मौजा में जॉइंट वेंचर की कंपनी रोहाने कोल कंपनी को दी गई जमीन रैयतों को फिर से वापस मिल गई है। जमीन पर फिर से अपना हक लेकर रैयत खुश हैं। उन्होंने विधायक अंबा प्रसाद को सम्मानित करने के लिए समारोह का आयोजन किया। समारोह में ग्रामीणों ने लोक नृत्य और संताली गीत गाकर विधायक का भव्य स्वागत किया।अंबा प्रसाद ने कहा कि मेरा पूरा परिवार शुरुआत से ही रैयतों के हक की लड़ाई लड़ रहा है। पूर्व मंत्री योगेंद्र साव एवं पूर्व विधायक निर्मला देवी शुरू से ही कंपनियों के मनमाने रवैया के खिलाफ संघर्ष करते रहे हैं। वह भी रैयतों के साथ हर कदम पर हक एवं न्याय दिलाने के लिए लड़ रहीं हैं, जिसका सुखद परिणाम मिला है। झारखंड सरकार जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने वाली सरकार है। इस सरकार में ग्रामीणों की तमाम समस्याओं का निदान किया जाएगा। झारखंड में पहली बार ऐसा हुआ है कि जमीन कंपनी को शर्तों के अनुरूप काम नही करने के कारण रैयतों को वापस करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 2011 से 2015 के बीच बड़कागांव के पसेरिया मौजा की भूमि ज्वाइंट वेंचर की कंपनी रोहाने कोल कंपनी द्वारा अधिग्रहित की गई थी। अधिग्रहित भूमि के बदले पांच लाख प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा तय हुआ था। कंपनी द्वारा एकरार के अनुसार कार्य नहीं किए जाने के कारण ग्रामीणों में रोष था। स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने कंपनी के रवैये को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा था। जिसपर मुख्यमंत्री द्वारा छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा-49(5) के तहत मंत्री चंपई सोरेन को पीठासीन पदाधिकारी बनाया गया। पीठासीन पदाधिकारी के न्यायालय में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा-49(5) के तहत हजारीबाग जिला के बड़कागांव अंचल के मौजा पसेरिया के रैयतों को एकरारनामा के अनुरूप काम नही किये जाने के कारण ली गई जमीन को वापस करने का आदेश पारित किया गया। न्यायालय के इस फैसले के बाद 26 रैयतों को करीब 56 एकड़ जमीन वापस किया जा रहा है।

तोताघाटी-देवप्रयाग मार्ग पर ट्रकों का संचालन एक अप्रैल से, 15 मार्च तक चौड़ीकरण पूरा करने के निर्देश

ऋषिकेश । ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तोताघाटी से ट्रकों का संचालन एक अप्रैल शुरू होगा। जिला प्रशासन ने कार्यदाई संस्था को 15 मार्च तक चौड़ीकरण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद एक अप्रैल से यहां ट्रकों का संचालन शुरू हो जाएगा।

दरअसल, हाईवे चौड़ीकरण के चलते तोता घाटी- देवप्रयाग मार्ग लंबे समय तक बंद रहा। बाद में यहां से बस और अन्य छोटे वाहनों का संचालन प्रशासन ने शुरू कर दिया था। इस रूट पर ट्रकों की आवाजाही बंद की गई है। इस मामले में उत्तराखंड ट्रक परिवहन महासंघ ने टिहरी जिला प्रशासन से इस मार्ग को ट्रकों के लिए खोले जाने की मांग की थी। मांग के समर्थन में बीते शुक्रवार को ट्रक ऑपरेटर्स ने तीन घंटे तक अपने वाहनों को का चक्का जाम किया था।

ट्रक परिवहन महासंघ के पदाधिकारियों ने बीते शनिवार को जिलाधिकारी टिहरी ईवा आशीष से मुलाकात कर उन्हें मांग के समर्थन में पत्र दिया था। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी कीर्ति नगर को आवश्यक कार्यवाही के लिए लिखा था। सोमवार को उत्तराखंड परिवहन महासंघ के महासचिव दिनेश बहुगुणा और मनोज ध्यानी ने कीर्ति नगर जाकर उप जिलाधिकारी आकांक्षा वर्मा से मुलाकात की और उन्हें जिलाधिकारी के निर्देश से अवगत कराया। महासंघ पदाधिकारियों के अनुसार उपजिलाधिकारी ने कहा कि तोता घाटी में चौड़ीकरण कार्य कर रही कार्यदायी संस्था को 15 मार्च तक कार्य पूर्ण करने की डेडलाइन दी गई है। इससे पहले यदि यहां ट्रकों का संचालन शुरू किया जाता है तो कार्य प्रभावित हो सकता है। उप जिलाधिकारी ने कहा कि एक अप्रैल से हर हाल में यहां ट्रकों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। ट्रक परिवहन महासंघ के अध्यक्ष जगमोहन सकलानी ने बताया कि इस मामले में सभी ट्रक मालिक प्रशासन को अपना सहयोग कर रहे हैं। 55 से 60 किलोमीटर बाया टिहरी अतिरिक्त दूरी तय करके बदरीनाथ रूट पर ट्रकों का संचालन हो रहा है। इससे आर्थिक क्षति के साथ समय भी खराब होता है। उन्होंने कहा कि एक अप्रैल तक यदि यहां ट्रकों का संचालन शुरू होता है तो संस्था इस पर सहमत है और अपना सहयोग प्रशासन को देगी।

अरुण कुमार सिंह बने बिहार के नए मुख्य सचिव, दीपक कुमार को सीएम ने बनाया अपना प्रधान सचिव

पटना । बिहार को नया मुख्य सचिव मिल गया। बिहार के मुख्य सचिव की रेस में चल रहे कई नामों के बीच अरुण कुमार सिंह ने बाजी मारी है। वे विकास आयुक्त के पद पर थे। उन्हें बिहार का अगला मुख्य सचिव बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। सेवानिवृत हो रहे मुख्य सचिव दीपक कुमार की भी पारी जारी रहेगी। मंत्रिमंडल सचिवालय के आदेश के मुताबिक दीपक कुमार को सेवा निवृत्ति के बाद मुख्यमंत्री का प्रधान सचिव बनाया गया है। उनके लिए अलग से अधिसूचना जारी होगी। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को विकास आयुक्त बनाया गया है। सुबहानी के पास अगले आदेश तक बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान विभाग के महानिदेशक का पद भी रहेगा। इसके अलावा निगरानी विभाग के अतिरिक्त प्रभार भी उनके पास है।

1984 बैच के भारतीय सेवा के अधिकारी दीपक कुमार को मुख्य सचिव पद के लिए दो बार अवधि विस्तार मिल चुका है। तीसरी बार अवधि विस्तार के लिए राज्य ने केंद्र से आग्रह किया था, पर इसकी अनुमति नहीं मिली। जिसके बाद सरकार ने प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं राबड़ी देवी के कार्यकाल में 2 फरवरी 2002 को निकाले आदेश के तहत दीपक कुमार को नई जिम्मेदारी दी है। उक्त आदेश के मुताबिक राज्य सरकार भारतीय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों को भी मुख्यमंत्री का प्रधान सचिव नियुक्त कर सकती है।

अरुण कुमार सिंह 1985 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वरीयता के लिहाज से वह शीर्ष पर थे। पश्चिम चंपारण के रहने वाले अरुण 31 अगस्त को इसी वर्ष रिटायर हो जाएंगे। वर्तमान में वह विकास आयुक्त के अतिरिक्त बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान के महानिदेशक के अतिरिक्त प्रभार में भी हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। विकास आयुक्त पद पर पदस्थापना के पहले अरुण कुमार सिंह जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव थे। जल संसाधन विभाग में वह लंबी अवधि तक काम कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव के रूप में भी उन्होंने काम किया है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव का भी कामकाज देख चुके हैं।

आमिर सुबहानी 1987 बैच के आइएएस- वहीं बिहार के विकास आयुक्त बनाए गए आमिर सुबहानी बिहार सिवान जिले के रहने वाले हैं। सांख्यिकी से पोस्ट ग्रेजुएट किए आमिर सुबहानी 1987 बैच के अधिकारी हैं। वह 2024 में तीस अप्रैल को अवकाश ग्रहण करेंगे।

कई आइएएस का ट्रांसफर

जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव चैतन्य प्रसाद का तबादला गृह विभाग के प्रधान सचिव के पद पर हुआ है। उनके पास निबंधन उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की भी जिम्मेवारी रहेगी । रवि मनु भाई परमार को लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। परमार के पास कला संस्कृति एवं युवा विभाग की भी जिम्मेदारी रहेगी । संतोष कुमार मल्ल को सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव के पद पर स्थानांतरित किया गया है। मल्ल को पर्यटन विभाग के भी सचिव के पद की जिम्मेवारी दी गई है। प्रेम सिंह मीणा वित्त विभाग के सचिव बनाया गया। दिवेश सेहरा को एससी-एसटी कल्याण विभाग का सचिव बनाया गया। ऊर्जा विभाग के सचिव संजीव हंस को जल संसाधन विभाग के सचिव के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

कानपुर देहात में सिपाही के पति ने सभासद की पत्नी व बच्चों पर पेट्रोल डाल लगाई आग, मासूम भाई-बहन की मौत

कानपुर देहात । अकबरपुर के नेहरू नगर में किराएदार सिपाही के पति ने मकान मालिक सभासद की पत्नी व उसके दो बच्चों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आसपास के लोगों ने आनन फानन आग बुझाई और भागने का प्रयास कर रहे आरोपित का पीछा किया। इस बीच वह ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया, वहीं अस्पताल में गंभीर झुलसे दोनों बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने घटना की पड़ताल शुरू की है।

अकबरपुर कोतवाली के पास नेहरू नगर में सभासद जितेंद्र यादव अपने आवास पर पत्नी अर्चना चार वर्षीय बेटी अक्षिता व डेढ़ वर्षीय बेटा हनु के साथ रहते हैं। उनके मकान में कोतवाली में तैनात महिला सिपाही उषा किरायेदार हैं और पति अवनीश के साथ रहती है। पड़ोसियों के अनुसा रविवार देर रात अवनीश ने मकान मालिक की पत्नी अर्चना व दोनों बच्चों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दिया। तीनों की चीखपुकार मची तो दूसरे कमरे से जितेंद्र व आसपास के लोग भी एकत्र हुए। आनन फानन उनपर कंबल डालकर आग बुझाई। इस बीच भागने का प्रयास कर रहे अवनीश को लोगों ने पकड़ने का प्रयास किया। अवनीश भागने के प्रयास में हाईवे पर ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस ने चारों को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान दोनों बच्चों की मौत हो गई। देर रात एसपी केशव कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और जितेंद्र से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि आरोपित कई दिन से मानसिक तनाव में था लेकिन पता नहीं था कि वह इस तरह की घटना करेगा। अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने महिला सिपाही से भी पूछताछ की है। एसपी ने बताया कि सिपाही के पति द्वारा मानसिक तनाव में घटना को अंजाम देने की बात अभी सामने आई है। जांच के बाद आरोपित पर कार्रवाई की जाएगी।

फरारी के समय विकास दुबे को आश्रय देने वाले दो सहयोगी गिरफ्तार, सेमी आटोमेटिक रायफल भी मिली

कानपुर । बिकरू कांड के मुख्य आरोपित विकास दुबे के आश्रयदाताओं के खिलाफ पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को बड़ी कामयाबी हासिल की है। सूत्रों के मुताबिक एसटीएफ ने फरारी के दौरान विकास दुबे को आश्रय देने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से सेमी ऑटोमेटिक राइफल भी बरामद होने की बात कही जा रही है। फिलहाल इसपर पुलिस के आला अफसर दोपहर बाद ही कुछ जानकारी दे सकते हैं।

कानपुर में चौबेपुर के बिकरू गांव में दो जुलाई 2020 की रात दबिश देने गई पुलिस टीम पर गैंगस्टर विकास दुबे और उसके गुर्गों ने हमला कर दिया। विकास दुबे ने साथियों की मदद से सीओ समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी। इसके बाद विकास दुबे रात में ही फरार हो गया था और अपने सहयोगियों के पास जाकर छिप गया था। पुलिस उसकी काफी दिनों तक तलाश करती रही थी और करीब

सात दिन के बाद विकास दुबे को मध्य प्रदेश पुलिस ने महाकाल मंदिर से पकड़कर यूपी पुलिस के सुपुर्द किया था। मध्य प्रदेश से कानपुर लाते समय गाड़ी पलट जाने पर विकास ने भागने का प्रयास किया था, जिससे एनकाउंटर में वह मारा गया था।

पुलिस की जांच के दौरान सामने आया था कि हमलवारों ने पुलिस टीम पर सेमी ऑटोमेटिक राइफल से फायरिंग की थी। पुलिस ने मौके से अमेरिकन विंचेस्टर कारतूस बरामद किए थे। पुलिस अबतक मामले में आरोपित 36 लोगों को जेल भेज चुकी है। अभी तक पुलिस को न तो विकास की सेमी ऑटोमेटिक राइफल बरामद हुई थी और न ही फरारी के समय उसे आश्रय देने वालों का पता चला था। पुलिस को वारदात में दो सेमी ऑटोमेटिक राइफल के प्रयोग होने की जानकारी मिली थी, जिनका प्रयोग विकास दुबे करता था। उसका लाइसेंस भांजे और छोटे भाई के नाम पर था।

सूत्रों के मुताबिक एसटीएफ ने सोमवार को दो लोगों को गिरफ्तार करके एक सेमी ऑटोमेटिक राइफल बरामद की है। बताया जा रहा है कि जिन दो लोगों को गिरफ्तार किया है, उसने ही फरारी के समय विकास दुबे को आश्रय दिया था। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश दोपहर दो बजे पत्रकार वार्ता करेंगे। माना जा रहा है कि इस दौरान वह आश्रयदाता कौन हैं और सेमी ऑटोमेटिक राइफल कहां से बरामद हुई आदि की जानकारी देंगे।

राजद-कांग्रेस ने की आरक्षण की हकमारी, एससी-एसटी व पिछड़ों को नहीं दिया हक, भाजपा ने जड़ा आरोप

पटना । आरक्षण का मुद्दा ऐसा है, जिसपर विरोधी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को विरोधी दल हमेशा घेरते रहे हैं। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां अक्सर भाजपा पर आरक्षण का विरोधी होने का आरोप लगाती रही हैं। लेकिन इस बार भाजपा के बड़े नेता, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने राजद-कांग्रेस को आरक्षण के ही मुद्दे पर बड़े सलीके से घेरा है। उन्होंने कहा कि दलितों और वंचितों के लिए आरक्षण का विरोधी भाजपा नहीं, बल्कि ये दोनों पार्टियां हैं। इसके लिए उन्होंने तथ्य भी गिनाए हैं।

मोदी ने कहा- पंचायत चुनाव में हुई आरक्षण की हकमारी-

सुशील मोदी ने पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के आरक्षण की हकमारी के आरोप लगाए हैं। मोदी ने कहा कि इस बात का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। वे रविवार को भाजपा चुनाव प्रकोष्ठ की ओर से पंचायत चुनाव के मद्देनजर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। मोदी ने कहा कि बिहार में 23 वर्षों तक पंचायत चुनाव नहीं हुए। 2001 में जब चुनाव कराए गए तो एससी, एसटी को एकल पदों पर आरक्षण जो उनका संवैधानिक अधिकार था, उसे ना देकर कांग्रेस-राजद ने हकमारी की।

मोदी ने कहा कि 2006 में जब एनडीए की सरकार ने बिहार में पंचायत चुनाव कराए तो संविधान के अनुरूप न केवल एससी, एसटी को एकल पदों पर 17 प्रतिशत बल्कि अतिपिछड़ों को 20 प्रतिशत और सभी वर्ग की महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया।

पूर्व उप मुख्यमंत्री ने ईवीएम से पंचायत चुनाव कराने के सरकार के निर्णय की सराहना की। बोले, इससे निचले स्तर पर चुनाव में होने वाली गड़बडियों पर रोक लगेगी। इसके साथ ही अंचलाधिकारी की जगह राजस्व अधिकारी को आय, जाति व क्रीमीलेयर आदि के प्रमाणपत्र जारी करने के अधिकार दिए जाने का राज्य सरकार का फैसला भी सराहनीय है।

मोदी ने अपील की कि इस तरह की कार्यशाला जिला स्तर पर आयोजित हो ताकि उम्मीदवारों को नामांकन, शपथ पत्र व संपत्ति घोषणा के दस्तावेज तैयार करने का तरीका बताया जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में पंचायत चुनाव में भाग लें और जीत दर्ज कर पंचायती राज व्यवस्था को एक नई दिशा दें।

लखनऊ के सिविल अस्पताल में सीएम योगी ने कोरोना वैक्सीनेशन का निरीक्षण किया

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस वैक्सीनेशन के तीसरे चरण का सोमवार से शुभारंभ हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल हॉस्पिटल में तीसरे चरण के वैक्सीनेशन का निरीक्षण किया।

सिविल अस्पताल में सोमवार को दस बजे से 45 वर्ष से ऊपर की उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाने की तैयारी है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए सोमवार से ही बुजुर्गों और 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को टीका लगाने का अभियान शुरू हो रहा है। पहले दिन सभी 75 जिलों में तीन- तीन टीकाकरण केंद्रों पर 100-100 लोगों को टीका लगाया जाएगा। इस तरह 225 केंद्रों पर पहले दिन 22500 लोगों को व्यक्ति लगाई जाएगी। वर्ष 2021 में 60 वर्ष की उम्र पूरी करने वालों को भी वैक्सीन लगवाने की सुविधा दी जाएगी।

राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ अजय घई ने बताया कि सोमवार से ही बुजुर्गों और 45 वर्ष से 59 वर्ष तक की उम्र के लोगों को वैक्सीन लगाने की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। जो लोग टीकाकरण केंद्रों पर पहुंचेंगे उन्हें वहां मौजूद स्टाफ कोविन पोर्टल पर पंजीकरण करवाएंगे। फिर उन्हें मौके पर ही वैक्सीन की पहली डोज लगाई जाएगी। टीकाकरण की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

आगे बुजुर्गों और 45 वर्ष से अधिक उम्र के गंभीर रोगियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के साथ-साथ स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा वर्कर टीका लगवाने के लिए केंद्र तक लाने में मदद करेंगी। वही इन लोगों को ऑनलाइन टीकाकरण केंद्र और समय तय करने की सुविधा भी मिलेगी। कोविन पोर्टल पर प्रत्येक जिले के अस्पताल में कहां कितने टीके किस समय लगेंगे इसकी पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी।

कांग्रेस विधायक प्रतिमा देवी पटना में चल रहे राज्य बजट सत्र के दौरान शराब तस्करों द्वारा एसआई दिनेश राम की कथित हत्या को लेकर बिहार विधानसभा के सामने विरोध प्रदर्शन करती हुई ।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा वाराणसी की यात्रा के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करते हुए।

विधानसभा में हंगामा, अकाली दल ने राज्यपाल के अभिभाषण की प्रतियां फाड़ी, रेड कारपेट हटाया

चंडीगढ़ । पंजाब विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया है। सदन में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान जमकर हंगामा हुआ। जब राज्यपाल विधानसभा का अभिभाषण पढ़कर बाहर जा रहे थे तो विधानसभा परिसर के गेट तक विपक्षी विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और स्वागत के लिए बिछाए गए रेड कारपेट को भी हटा दिया।

शिरोमणि अकाली दल ने पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया आम आदमी पार्टी ने विपक्ष के नेता हरपाल सिंह चीमा और लोक इंसाफ पार्टी के विधायकों ने अलग-अलग जगहों पर राज्यपाल के जाने के रास्ते में उनके खिलाफ नारेबाजी की। इससे पहले जब राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर विधानसभा में प्रवेश कर रहे थे तो शिरोमणि अकाली दल विधायकों ने राज्यपाल गो बैक के नारे लगाए। भारी हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए

स्थगित कर दी गई है।

मीडिया कर्मियों से बात करते हुए बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि मौजूदा कैप्टन सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर फ्रेंडली मैच खेल रही है। उन्होंने कहा कि जिस राज्यपाल ने पंजाब विधानसभा की ओर से पास किए गए तीन खेती बिलों को रोका हुआ है, उस राज्यपाल का विरोध न करके कैप्टन सरकार मिलीभगत साबित कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर स्पष्टीकरण भी मांगा।

सदन में नवजोत सिंह सिद्धू लंबे समय के बाद पहुंचे। वह परगट सिंह के साथ एक ही गाड़ी में आए। सदन में कृषि कानूनों के विरोध में अकाली दल ने सदन में राज्यपाल गो बैक के नारे लगाए। अकाली ने राज्यपाल के अभिभाषण का विरोध किया और नारेबाजी करते हुए वेल तक पहुंच गए।

अकाली विधायकों ने राज्यपाल के अभिभाषण की कॉपियां फाड़ डाली और राज्यपाल के स्वागत के लिए बिछाया गया रेड कारपेट हटा दिया। अकाली दल के साथ आप विधायक भी वेल नारेबाजी कर रहे हैं। विपक्षी आम आदमी पार्टी के चार विधायक ही सदन में पहुंचे हैं। लोक इंसाफ पार्टी के दोनों विधायक बलविंदर सिंह बैंस और उनके भाई सिमरजीत बैंस वाकआउट कर चले गए। अभिभाषण में राज्यपाल वीपी सिंह बदनौर ने कोरोना काल में पंजाब सरकार द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में प्रतिदिन 26500 टेस्ट किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि 3 प्लाज़्मा बैंक भी बनाए, ताकि गंभीर मरीजों को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना के दौरान उन लोगों के बिजली कनेक्शन नहीं कटे जिन्होंने बिल नहीं भरे। पांच लाख से ज्यादा मज़दूरों को उनके घरों में भेजने का प्रबंध किया गया।राज्यपाल ने कहा कि महामारी को रोक लिया गया है, पर यह लापरवाही बरतने का समय नहीं है।

बिक्रम सिंह मजीठिया ने कहा कि कांग्रेस के विधायक सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर मेज थपथपाएंगे या राज्यपाल का घेराव करेंगे। अगर विधायक अभिभाषण के बजाय राजभवन का घेराव करने के लिए जाएंगे तो अकाली दल भी उनके साथ घेराव करने के लिए जाएगा। मजीठिया ने कहा कि कांग्रेस पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत को लेकर राजभवन का घेराव करने जा रही है। असल में उन्हें वित्तमंत्री मनप्रीत बादल का घेराव करना चाहिए। क्योंकि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने पर वह केक काटते हैं। अगर जाखड़ को लोगों की इतनी ही चिंता है तो उन्हें मनप्रीत के गले पर अंगूठा रख कर पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमत कम करवानी चाहिए।

कांग्रेस के प्रदेश प्रधान सुनील जाखड़ ने स्पष्ट किया कि विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण के बाद राजभवन का घेराव किया जाएगा। इसमें सभी विधायक शामिल होंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि राज्यपाल केंद्र सरकार के प्रतिनिधि हैं इसलिए कांग्रेस पार्टी पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ी कीमत के खिलाफ राजभवन का घेराव करेगी। जहां तक अभिभाषण की बात है, अगर राज्यपाल पंजाब के हितों को अनदेखा करते हैं तो विधायक मेज क्यों थपथपाएंगे।

एक नजर

लुधियाना में अध्यापकों ने पोस्टें खत्म करने के विरोध में जलाई कापियां, मास्टर कैडर अध्यापक यूनियन ने जताया रोष

लुधियाना । मास्टर कैडर अध्यापक यूनियन पंजाब के आह्वान पर हर जिले के सरकारी स्कूलों में अध्यापकों ने रोष जताया जिसका कारण शिक्षा सचिव की ओर से मास्टर कैडर और अन्य कैडर के पद सरकारी स्कूलों में रेशनलाइजेशन अधीन खत्म कर दिया जाना है। रोषस्वरूप अध्यापकों ने अपने-अपने स्कूलों में शिक्षा सचिव की नीतियों का विरोध करते हुए फैसले की कापियां जलाई। मास्टर कैडर अध्यापक यूनियन लुधियाना के प्रेस सचिव मनोज कुमार ने कहा कि हालांकि शिक्षा सचिव की ओर से विभिन्न ग्रेपस में मैसेज डाले गए हैं कि साफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण पोस्टें ई-पोर्टल पर कम दिखाई दे रही है।पंजाब शिक्षा विभाग को इस फैसले को वापस लेना चाहिए। अध्यापकों ने कहा कि जिसकी भी गलती है, विभाग उस पर बनती कार्रवाई करें। अध्यापकों में इस बात का रोष है। अपने-अपने स्कूल में फैसले की कापियां जलाने के बाद मास्टर कैडर यूनियन ने जिला शिक्षा अधिकारी को भी मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र दिए जाने की बात कही है। यूनियन के सदस्य चार बजे डीईओ को यह मांगपत्र देंगे। गौरतलब है कि पंजाब के कई स्कूलों में पहले से ही पद रिक्त चल रहे हैं। ऐसे में अगर यह पोस्टें खत्म की जाती हैं तो इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की संभावना है।

उदयपुर में शराब के नशे में युवक ने नौ साल की बहन की कर दी हत्या, सिर में मारी गोली

उदयपुर । जिले के माण्डवा थाना क्षेत्र के कउचार बिरफली गांव में शराब के नशे में धुत एक युवक ने अपने मामा की नौ साल की बेटी की हत्या कर दी। टोपीदार बंदूक से उसने अपनी ममेरी बहन के सिर में गोली चला दी थी। घटना के समय बालिका खाना खा रही थी। बंदूक चलाने की आवाज सुनकर दौड़कर आए परिजनों ने युवक को दबोच लिया तथा पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार सिवरली बेकरिया निवासी हामिरा पुत्र काला ने अपने मामा हुरमा गरासिया की नौ वर्षीया बेटी चंपा की हत्या कर दी। सिर में गोली लगने से बालिका की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने हत्या के आरोपी हामिरा को पकड़ लिया तथा उसे माण्डवा पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि हामिरा अपनी मां के साथ पिछले 25 साल से मामा के घर पर ही रहता था। इधर, माण्डवा थानाधिकारी मानसिंह ने बताया कि हत्या का आरोपी युवक शराब के नशे में इस कदर था कि उसे घटना के बारे में जानकारी ही नहीं। होश में आने के बावजूद उसे घटना के बारे में जानकारी नहीं।

शादी के लिए दबाव बनाया तो विवाहित ने कर दी प्रेमिका की हत्या

उदयपुर जिले के लसाड़िया थाना क्षेत्र के जंगल से पिछले दिनों मिले महिला के कंकाल को लेकर उसकी हत्या करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पता चला कि महिला की हत्या उसके विवाहित प्रेमी ने इसलिए कर दी थी कि वह उस पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। नालमहुड़ी- लसाड़िया निवासी भैरूलाल पुत्र लक्ष्मीलाल को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। उसने बताया कि उसी ने पच्चीस दिन पहले नालमहुड़ी गांव के काना गरासिया की बेटी मोवनी की हत्या कर दी थी। वह पहले से विवाहित था मोवनी से पिछले तीन साल से प्रेम करता था। मोवनी उससे शादी करने को लेकर लगातार दबाव बना रही थी, जबकि वह अपनी पत्नी को छोड़ना नहीं चाहता था। जिसके चलते उसे बहाने से जंगल में ले गया तथा वहीं उसका गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी थी

बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल को सत्ता के लिए पार करनी होगी गहरी 'नदिया'

कोलकाता । बंगाल विधानसभा चुनाव में नदिया अहम जिला है। बांग्लादेश से सटे इस जिले को धर्म व अध्यात्म की धरती कहा जाता है। यह चैतन्य महाप्रभु की जन्मस्थली है। नवद्वीप धाम मायापुर में ही इंटरनेशनल सोसायटी आफ कृष्णा कांशियसनैस (इस्कान) का मुख्यालय है। चुनावी माहौल बन चुका है। हालांकि लोग खुली चर्चा से परहेज कर रहे हैं। वह भी तब जब कोई अनजान हो। राणाघाट लोकसभा क्षेत्र के प्याराडांगा इलाके में रहने वाले विश्वनाथ सरकार नामक एक सामान्य वोटर से जब चुनावी हवा को लेकर पूछा तो उसने धीरे से कहा कि इस बार शासन करने वालों की हवा टाइट है। पिछले माह तृणमूल के जिला उपाध्यक्ष पार्थ चक्रवर्ती भाजपा में शामिल हो गए हैं। कई और नेता भाजपा में गए हैं। इसका असर दिख रहा है। समझ जाइए कि हालत क्या है? वैसे, तृणमूल को तीसरी बार बंगाल की सत्ता हासिल करने के लिए गहरी 'नदिया' पार करनी होगी। नदिया सूबे का वह जिला है, जहां पिछले विस चुनाव में जबर्दस्त बहुमत हासिल करने के बावजूद तृणमूल की सीट कम हुई थीं। 2011 के चुनाव में तृणमूल ने यहां की 17 में से 13 सीटों पर कब्जा जमाया था, जबकि पिछले विस चुनाव में यहां उसकी सीट की संख्या घटकर 12 हो गई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी सत्ताधारी दल को यहां अपनी एक महत्वपूर्ण सीट गंवानी पड़ी। राणाघाट सीट पर भाजपा सेंधमारी करने में सफल रही। जगन्नाथ सरकार ने वहां तृणमूल की रूपाली विश्वास को दो लाख से अधिक वोटों के अंतर से मात दी थी। 2016 में भाजपा यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। कांग्रेस को तीन और गठबंधन में उसके साडेदार वाममोर्चा को दो सीटें मिली थीं। पिछले विस चुनाव में कई जिलों में कांग्रेस व वाममोर्चा का सूपड़ा साफ हो गया था, लेकिन नदिया में दोनों को आक्सीजन मिली इसलिए कांग्रेस-वाममोर्चा गठबंधन इस जिले में इस बार अच्छे प्रदर्शन को लेकर काफी आशावादी हैं। हालांकि, कांग्रेस के कद्दावर नेता शंकर सिंह के तृणमूल में शामिल हो जाने के बाद से हालात यह है कि कांग्रेस का जिले में संगठन ही नहीं बचा है।

महुआ मोइत्र पर तृणमूल की जिम्मेदारी-जिले में तृणमूल की नैया खेने की जिम्मेदारी कृष्णनगर से पार्टी सांसद महुआ मोइत्र पर होगी। महुआ तृणमूल की फायर ब्रांड नेताओं में से एक हैं। कृष्णनगर से दो बार तृणमूल सांसद रहे टालीवुड अभिनेता तापस पाल के अस्वस्थ होने के कारण तृणमूल ने महुआ को पिछले लोकसभा चुनाव में वहां से टिकट दिया था। महुआ सांसद होने के साथ-साथ जिले में पार्टी का सांगठनिक कामकाज भी देख रही हैं। वहीं, भाजपा ने इलाके में लोकप्रिय जगन्नाथ सरकार को मोर्चे पर लगा रखा है। बेहद सक्रियता से वह पार्टी का झंडा बुलंद करने में लगे हुए हैं।

उदयपुर संभाग के दो अस्पतालों से नवजात बच्चे चोरी, मचा हड़कम्प

उदयपुर । उदयपुर संभाग के दो सरकारी अस्पतालों से दो नवजातों के चोरी जाने से हड़कम्प मचा हुआ है। दोनों ही बच्चे वागड़ क्षेत्र के अस्पतालों से चोरी हुए, जिनमें बांसवाड़ा का महात्मा गांधी राजकीय जिला अस्पताल तथा डूंगरपुर स्थित मेडिकल कॉलेज का स्व.हरिदेव जोशी सामान्य चिकित्सालय शामिल हैं। दोनों बच्चों को चुराने वाली महिलाओं की तलाश अस्पतालों के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बांसवाड़ा जिले के महात्मा गांधी अस्पताल एक महिला फर्जी नर्स बनकर नवजात को चुराकर ले गई। टीकाकरण के नाम पर बुलवाए बच्चे को उसने धोखे से चुराया और चलती बनी। इस घटना को लेकर बांसवाड़ा शहर के कोतवाली में मामला दर्ज कराया गया है। कोतवाली सीआई मोतीराम सारण ने बताया कि घटना रविवार की है। मलवासा निवासी अनिता पत्नी अर्जुन बामनिया का नौ फरवरी को तलवाड़ा की पीएचसी पर सामान्य प्रसव हुआ था और 11 फरवरी पीहर वाले उसे बड़लिया गांव ले आए।

एक महिला ने खुद को नर्स बताया तथा टीका लगवाने बांसवाड़ा के जिला अस्पताल बुलवाया। जहां अनिता अपने नवजात तथा बेटी को लेकर अस्पताल पहुंची। वहां मिली उसी महिला ने ममता कार्ड एवं अस्पताल की अन्य पर्चियां लेकर नवजात को लिया और उन्हें अस्पताल के गेट पर इंतजार करने को कहा।

उसने कहा कि वह टीका लगवाने के बाद नवजात को लेकर वापस आती है। काफी देर तक महिला नहीं लौटी तो उन्होंने अस्पताल में उसकी तलाश की तो वह नहीं मिली। महिला के रोने-चीखने की आवाज सुनकर अस्पताल प्रबंधन का ध्यान घटना की ओर गया। जांच की तो पता चला कि अस्पताल में टीकाकरण नहीं हो रहा और सीसीटीवी फुटेज में देखा तो एक महिला नवजात को लेकर दूसरे गेट से बाहर निकलती दिखाई दी। अस्पताल चौकी पुलिस को इस बारे में सूचित किया गया तथा सूचना पर पुलिस उपधीक्षक गजेंद्रसिंह राव भी मौके पर पहुंची। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.रवि उपाध्याय ने इस बारे में मामला दर्ज कराया।

इधर, डूंगरपुर जिला मुख्यालय के मेडिकल कॉलेज के स्व. हरिदेव जोशी अस्पताल की स्पेशियल केयर यूनिट से चार दिन का नवजात चोरी हो गया। इस मामले में एक संदिग्ध महिला और युवक की तलाश जारी है, जो स्कूटर से नवजात को चुराकर ले जाते दिखाई दिए हैं। बताया गया कि सफाई व्यवस्था के दौरान स्पेशियल केयर यूनिट से सभी परिजनों को बाहर निकाल दिया था। उस दौरान एक महिला ड्यूटी कर्मचारी को झांसा देकर नवजात को चुरा ले गई। इस मामले मोचीवाड़ा निवासी माया पत्नी राजू मोची ने मामला दर्ज कराया। उसने गत 24 फरवरी को जिला अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था।

पीलिया के चलते नवजात को स्पेशियल केयर यूनिट में भर्ती किया गया था। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज जांचे गए तो पता चला कि महिला के साथ एक युवक भी शामिल है, जो स्कूटर से जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए जिला पुलिस ने छह टीमें गठित की है। पुलिस ने बताया कि बच्चे चुराने वाली महिला एवं युवक की लोकेशन बरोठी तक देखी गई।

मुंबई में फरवरी माह में चौथी बार 1,000 से अधिक नए मामले, रिकवरी दर में भी गिरावट

मुंबई । रविवार को मुंबई में फरवरी माह में चौथी बार कोरोना संक्रमण के 1,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। अमरावती, पुणे और नागपुर में नए संक्रमणों के मामलों में वृद्धि जारी रहने के साथ राज्य में कोरोना के मामले तेजी से बढ़े हैं। मुंबई में पांच संक्रमितों की मौत के साथ राज्य में कुल 62 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई। मुंबई में बुधवार को 1,167, गुरुवार को 1,145 और शुक्रवार को 1,034 मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि शनिवार को इसमें 1,000 से नीचे की गिरावट देखी गई, लेकिन रविवार को फिर 1,051 नए मामले दर्ज किए गए। बीएमसी पिछले कुछ दिनों से रोजाना लगभग 22,000 परीक्षणों का आयोजन कर रही है, ताकि नए संक्रमणों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। रविवार को शहर भर में 21,943 परीक्षण किए गए और परीक्षण सकारात्मकता दर 4.8 फीसदी थी।

टीपीआर पिछले कुछ दिनों की तुलना में कम थी, लेकिन यह फरवरी के पहले सप्ताह की तुलना में 3 प्रतिशत कम थी। पांच मृत रोगियों में से सभी 60 वर्ष से अधिक आयु के थे। इस बीच, 827 मरीज स्वस्थ पाए गए और उन्हें शहर में छुट्टी दे दी गई, मुंबई में स्वस्थ होने वाले रोगियों की संख्या 93 प्रतिशत है। वर्तमान में शहर में 9,715 सक्रिय रोगी हैं।

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन ने मुंबई के 1,051 सहित 1,931 नए मामले दर्ज किए। ठाणे, नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली में भी क्रमशः 211, 153 और 180 के साथ उच्च मामले दर्ज किए गए। MMR के भीतर, मुंबई में पांच रोगियों की मौत, दो मौतें नवी मुंबई और मीरा-भयंदर और एक उल्हासनगर में दर्ज की गईं। राज्य में रविवार को 8,293 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए, जिनमें अमरावती में 632, पुणे सर्कल में 790 और नागपुर में 796 शामिल हैं। राज्य में दर्ज 62 मौतों में से 13 नासिक सर्कल से, 12 अकोला और नागपुर सर्कल से और नौ पुणे सर्कल से थे। महाराष्ट्र की रिकवरी दर घटकर 94 प्रतिशत हो गई है। 3,753 अधिक रोगियों के स्वस्थ होने के बाद राज्य में अब 77,000 सक्रिय मामले हैं जो फरवरी के पहले सप्ताह से दोगुने से अधिक हो गए हैं जब यह 30,000 से नीचे था।

सत्र शुरू होने से पहले महंगाई का विरोध, साइकिल से विधानसभा पहुंचे विधायक गुलाब सिंह राजपूत

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायक गुलाब सिंह राजपूत महंगाई का विरोध करते हुए साइकिल से विधानसभा पहुंचे। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक गुलाब सिंह राजपूत ने पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में साइकिल से ये यात्रा की।

विधायक गुलाब सिंह राजपूत ने कहां की पेट्रोल व डीजल में 2-4 रु बढ़ने तथा रसोई गैस में पांच -10 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर भी भारतीय जनता पार्टी के नेता गैस सिलेंडर लेकर तथा बैलगाड़ी लेकर सड़कों पर उतर जाया करते थे लेकिन आज पेट्रोल सौ के पार चला गया तथा रसोई गैस के दाम आम आदमी के बस से बाहर हो गए हैं।

भाजपा की केंद्र सरकार तथा गुजरात सरकार महंगाई को लेकर बिल्कुल भी संवेदनशील नहीं है। गुलाब सिंह राजपूत गांधीनगर स्थित अपने सरकारी आवास से महंगाई तथा बेरोजगारी के स्लोगन लिखे बैनर तथा विरोध की तख्ती लेकर अपने समर्थकों के साथ रवाना हुए। सचिवालय परिसर के सुरक्षा दरवाजे पुलिस ने उन्हें रोका लेकिन बाद में साइकिल लेकर विधानसभा तक पहुंचने की मंजूरी दे दी। गुलाब सिंह ने कहां की कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक जनता से जुड़े मुद्दों को उठाती रहेगी

बता दें कि गुजरात सरकार का बजट सत्र आज (1 मार्च) से शुरू हो रहा है , लेकिन वित्त मंत्री नितिन भाई पटेल 3 मार्च को विधानसभा में अपना बजट मोबाइल ऐप के जरिए पेश करेंगे। पंचायत एवं पालिका चुनाव का परिणाम 2 मार्च को घोषित किया जाएगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की पत्नी अंजलि ने लगवाई Corona Vaccine, लोगों से की खास अपील

अहमदाबाद । गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की पत्नी अंजलि रुपाणी ने गांधीनगर के अपोलो अस्पताल में कोरोना का टीका लगवाया। अंजलि रुपाणी में प्रदेश के लोगों से भी अपील की है कि कोरोना महामारी से बचाव के लिए कोरोना का टीका जरूर लगवाएं। अंजलि रुपाणी ने गांधीनगर के एक निजी अस्पताल में सोमवार सुबह कोरोना का टीका लगाया है तथा टीका लगने के बाद से उसका कोई विपरीत असर नजर नहीं आया है। उनका दावा है कि कोरोना का टीका पूरी तरह सुरक्षित है तथा यह हमारे प्रदेश में समाज को कोरोना महामारी से बचाने में मददगार साबित होगा।

गुजरात में सोमवार से टीकाकरण फिर से प्रारंभ हुआ है

वरिष्ठ नागरिक तथा गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को टीका लगाया जा रहा है। टीका लगाने के लिए एसएमएस के जरिए सूचना दी जा रही है इससे पहले उनका आरोग्य सेतु एप पर पंजीकरण अथवा मतदाता सूची के अनुसार उनकी सूची तैयार की गई है। हार्ट, किडनी, लीवर, कैंसर, एचआइवी जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को तथा डायबिटीज के साथ हाइपरटेंशन अथवा एंजाइटी से पीड़ित तथा 20 तरह की को मोर्बिक कंडीशन वाले महिला व पुरुषों का भी इस चरण में टीकाकरण किया जाएगा।

बीते साल कोरोना के चलते जान कमाने वाले भाजपा के नेता एवं राज्यसभा सदस्य अभय भारद्वाज की पत्नी ने वडोदरा में टीका लगवाया। श्रीमती भारद्वाज ने कहा कि अगर 6 माह पहले टीका की खोज हो जाती तो आज उनके पति इस महामारी का शिकार नहीं होते और वे आज उनके साथ होते।

मिशन बंगाल, गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- परिवर्तन की दहलीज पर बंगाल, इस बार मोदी आवे, ममता जावे

कोलकाता । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कोलकाता के हुजूरी मुल्ला लेन, गोलपा शास्त्री लेन समेत आसपास के कई इलाकों में घर-घर जाकर लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल परिवर्तन की दहलीज पर खड़ा है। बस आप सभी को मतदान वाले दिन कमल के फूल वाले बटन को दबाकर यहां एक नया सवेरा लाना है। गोलपा शास्त्री लेन में डोर टू डोर चुनाव प्रचार करते हुए केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमें दुःख है कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रहीं कल्याणकारी योजनाओं से आप लोगों को वंचित रहना पड़ रहा है, क्योंकि बंगाल की मौजूदा ममता सरकार इन योजनाओं को आपके यहां लागू ही नहीं कर रही है। शेखावत इसी लेन में रहने वाली कांति देवी की चौखट पर पहुंचे तो कच्चा मकान देखकर भावुक हो गए। उन्होंने कांति से पूछा कि आपको प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर क्यों नहीं मिला? कांति ने केंद्रीय मंत्री के दोनों हाथ पकड़ लिए, बोली- हम लोगों को यहां की सरकार कोई सहूलियत नहीं दे रही है। अब मोदी सरकार पर ही भरोसा है। कांति ने जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए कहा कि इस बार परिवर्तन के लिए सभी तैयार हैं। शेखावत ने इसी लेन में तका सहानी, कमली सहानी, सुनीता शॉ, राधारीना शॉ, सरोज देबी, लाखी सोनकर, गौरी सहानी, चानो सहानी, चंदा शॉ, गिरिजा देवी, प्राण देवी, लालमुनि देवी के घर पहुंचकर उनसे बातचीत की। इन महिलाओं ने अपने कच्चे घर को पक्का बनाने की बात रखीं। शेखावत ने कहा कि कि आप लोग भाजपा को वोट देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिताएं। जिस तरह देश के दूसरे राज्यों की महिलाओं को पक्का मकान, घर में स्वच्छ जल, रसोई गैस सिलेंडर और शौचालय मिल रहा है, उसी तरह से भाजपा सरकार आने के बाद बंगाल के लोगों को भी सभी तरह की सुविधाएं मिलेंगी।

हमें हर बूथ को मजबूत करना है-केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कोलकाता में हुजूरी मुल्ला लेन, संतोष मित्र पार्क के पास कार्यकर्ताओं से भेंट करते हुए कहा कि हमें हर बूथ को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र सरकार की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, अबू आजमी ने 5 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण के साथ रखी एक और मांग

मुंबई ।महाराष्ट्र में सत्तासीन महा विकास अघाड़ी सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती है। महागठबंधन में साझेदार समाजवादी पार्टी के नेता अबू आज़मी ने राज्य सरकार से विधानसभा सत्र में सीएए-एनआरसी के खिलाफ प्रस्ताव लाने के साथ ही 5त्न मुस्लिम आरक्षण पर कानून पारित करने की मांग की है।

उन्होंने कहा अगर उनकी मांगें नहीं मानी जाएगी तो वह राज्य सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे। गौरतलब है कि हिंदुवादी राजनीति के लिए पहचाने जाने वाली शिवसेना के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से समाजवादी पार्टी ने मुस्लिमों के लिए 5 फीसदी आरक्षण के साथ सीएए और एनआरसी के खिलाफ प्रस्ताव लाने की भी मांग की है। उनका कहना है कि अगर ऐसा न हुआ तो हम सरकार के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन करेंगे।

अबू आजमी का कहना है कि हाइकोर्ट ने शिक्षा के क्षेत्र में मुस्लिमों के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण की मांग की है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी के शासन काल के समय भी हमने मुस्लिम आरक्षण की मांग की थी। महाविकास अघाड़ी सरकार लगता है इसे भूल चुकी है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा कि, मैं कांग्रेस और एनसीपी से सवाल करता हूं कि जब विपक्ष में थे तो इसके खिलाफ खूब बोलते थे लेकिन अब क्या हुआ इस विषय में कोई कदम क्यों नहीं उठाया जा रहा।

सूरत की कपड़ा मिल में लगी भीषण आग में दो दमकलकर्मी बुरी तरह घायल

सूरत । गुजरात के सूरत शहर में एक कपड़ा मिल में आग लगने से दो फायरमैन बुरी तरह घायल हो गए। प्रभागीय अधिकारी (अग्नि), दक्षिण क्षेत्र, राजू गायकवाड़ ने बताया पांडेसरा में स्थित प्रेरणा मिल की तीसरी मंजिल पर रविवार रात 10 बजे आग लग गई थी। आग की सूचना मिलते ही 15 दमकल वाहन मौके पर पहुंच गए थे। आग इतनी भयावह थी देर रत 2 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

बता दें कि जिस समय मिल में आग लगी उस समय 12 से अधिक कर्मचारी यूनिट में काम कर रहे थे। दमकलकर्मी उन?हें सुरक्षित बाहर निकाल उनकी जान बचाने में कामयाब रहे। इस हादसे में दो दमकलकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए। घायलकर्मियों में से एक के फ्रैक्चर हो गया जिसे इलाज के लिए अस?पताल में भर्ती करवा दिया गया है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, इस मामले में जांच अभी जारी है।

गौरतलब है कि बीते कुछ दिन पहले सूरत के अश्विनी कुमार इलाके में लब्धी कपड़ा मिल में भीषण आग लगने से चार कर्मचारी बुरी तरह घायल हो गए थे। आग इतन भयावह थी कि उस पर काबू पाने के लिए 10 दमकल वाहन मौके पर मौजूद थे। आग पर काबू पाने के लिए दो घंटे से भी अधिक का समय लगा। मिल में जहां आग लगी थी वहां कपड़ों का ढेर रखा हुआ था। जिसके चलते आग तेजी से फैल कर और विकराल होती चली गई। हालांकि आग फैलते देख कर्मचारी सही समय पर मिल से बाहर आ गए थे, जिससे बड़ी जनहानि होने से टल गई। मिली जानकारी के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

कैटरीना से तुलना ने बर्बाद किया करियर

लोग कहते थे फैटरीना

सलमान खान के साथ फिल्म 'वीर' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान को फिल्म इंडस्ट्री में वह मुकाम नहीं मिला जिसकी उन्हें उम्मीद थी। इस फिल्म की रिलीज के बाद जरीन खान की तुलना कैटरीना कैफ से होने लगी थी। एक इंटरव्यू में जरीन ने अपने फ्लॉप फिल्मी करियर पर बात की है। जरीन ने यहा भी खुलासा किया कि उन्हें 'फैटरीना' कहा जाने लगा था। एक्ट्रेस ने बॉडी शेम्ड और फैट शेम्ड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। जरीन खान के बताया कि जब उनके वजन से उन्हें परेशानी हो रही थी, तो उन्होंने अपना वजन घटाया। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने लगभग 40 किलो वजह घटाया था। जरीन ने कहा, उनका वजन 100 किलो था और वो काफी फैट थीं। बॉडी-शेमिंग और बाकी सभी चीजों के कारण उनके दिमाग पर असर पड़ रहा था। मुझे 'फैटरीना' कहकर बुलाया जाता था। जब भी मैं इवेंट्स पर जाती थी, तो मेरे बारे में कुछ भी अच्छा नहीं लिखा जाता था। वे सभी मेरे वजह के बारे में बात करते थे। जरीन खान ने कैटरीना कैफ से तुलना के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ईमानदारी से मुझे यह भी नहीं पता है कि ये सब बातें कहां से आईं थी। इससे पहले कि मेरी तस्वीरें या मेरे इंटरव्यू सामने आते, इससे पहले ही मेरे फेसबुक अकाउंट से एक रैंडम फोटो को लेकर दावा किया जाने लगा था कि मैं कैटरीना की तरह दिखती हूं। उस समय सोशल मीडिया इतना पावरफुल नहीं था जो आज है। हम सभी न्यूजपेपर और मीडिया हाउस पर निर्भर थे। मुझे लगता है कि लोगों को मौका ही नहीं मिला मुझे जानने का, मेरे टैलेंट को पहचानने का। हमारी ऑडियंस भी अजीब है। उसे जो दिखाया जाता है, उस पर विश्वास कर लेती है। वह खुद का कोई ओपीनियन नहीं बनाती है। जरीन खान ने कहा, मेरे लिए यह अपनाना मुश्किल है। जब मुझे वीर फिल्म मिली तो मेकर्स ने मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा। मैं उस फिल्म में 18वीं सदी की क्वीन की भूमिका निभाने वाली थी। लोगों को यह पसंद नहीं आया। उन्होंने मुझे फैट शेम करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, हर कोई मेरे वजन के बारे में बात करता था। मेरे बारे में बुरी चीजें लिखता था। मैं खुद को खो चुकी थी। मैं दिन में चार से पांच घंटे एक्सरसाइड करती थी। फिर मुझे यह सर्कल समझ आया। अहसास हुआ कि मैं चाहे जितना भी वजन कम कर लूं, खुद को कितना भी टॉर्चर कर लूं। खुद का मानसिक संतुलन रखना बहुत जरूरी है। मैं एक मजबूत महिला हूं और मुझे खुद को किसी से भी कंपेयर करने की जरूरत नहीं। बता दें कि जरीना खान फिल्म 'वीर' के अलावा हाउसफुल 2, हॉरर फिल्म हेट स्टोरी 3 और 1921 में दिखाई दी हैं। एक्ट्रेस ने पंजाबी और अन्य भाषा की फिल्मों में भी काम किया है।

कैटरीना कैफ करेंगी थ्रिलर मूवी मेरी क्रिसमस

कैटरीना कैफ इन दिनों बेहद कम फिल्में कर रही हैं, लेकिन उनके फैंस यह जान कर राहत महसूस कर सकते हैं कि कैटरीना ने हाल ही में एक बढ़िया फिल्म साइन की है। बढ़िया इसलिए क्योंकि इसे श्रीराम राघवन निर्देशित करने वाले हैं। जॉनी गद्दार, एजेंट विनोद, बदलापुर, अंधाधुंध जैसी फिल्में उनके नाम के आगे है। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि इसमें कैटरीना के अपोजिट साउथ स्टार विजय सेतुपति नजर आने वाले हैं। फिल्म का नाम है - 'मेरी क्रिसमस'। अब इस फिल्म को जब राघवन निर्देशित कर रहे हैं तो इसका थ्रिलर होना जरूरी हो जाता है। एक शॉर्ट फिल्म से इस मूवी को बनाने की प्रेरणा ली गई है। कहानी पुणे में सेट है और अप्रैल से फिल्म की शूटिंग आरंभ हो सकती है।

एक्शन सीक्वेंस फिल्माने के लिए बेकरार हो रहे थे रोहित

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का कहना है कि रोहित शेट्टी बड़े पैमाने पर एक नए एक्शन सीक्वेंस को फिल्माने के लिए काफी बेकरार हो रहे थे। रणवीर कहते हैं, ''रोहित सर और मैं एक्शन से भरपूर एक प्रोजेक्ट पर वापसी कर बेहद खुश हैं। रोहित सर ने मुझसे मजाक में कहा कि उन्हें लंबे समय से उड़ती हुई कारें और गोलियों की बौछारों के साथ वाले एक बड़े पैमाने के एक्शन दृश्य की शूटिंग करने की बेकरारी हो रही थी और मैं उनकी इस भावना को बेहतर तरीके से समझ सकता हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''आखिरी बार 'सूर्यवंशी' के क्लाइमैक्स के दौरान हमने एक्शन की साथ में शूटिंग की थी, इसलिए हम दोनों के लिए ही इस बार की शूटिंग बेहद संतोषजनक है। बहुत टाइम से एक्शन का कीड़ा काट रहा है हम दोनों को।'' दोनों इस वक्त 'सर्कस' पर काम कर रहे हैं।

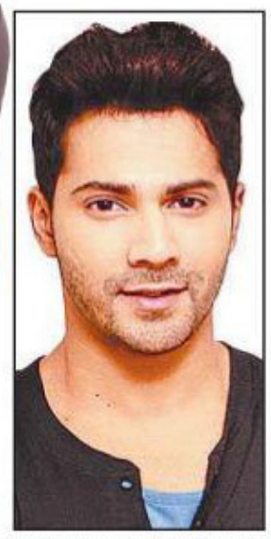

मि. लेले से वरुण धवन बाहर अब किआरा और विक्की को लेकर बनेगी फिल्म

मि.लेले को बनाने की घोषणा हुए एक साल से भी ज्यादा का समय हो गया है। वरुण धवन को लेकर यह फिल्म अनाउंस की गई थी जिसे शशांक खेतान निर्देशित करने वाले थे। शशांक और वरुण इसके पहले साथ में कुछ फिल्में कर चुके हैं। मार्च 2020 में यह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। कहा गया स्क्रिप्ट को लेकर वरुण खुश नहीं है। आठ-दस महीनों तक जब फिल्म को लेकर कोई बात नहीं हुई तो माना गया कि यह फिल्म बंद हो गई। लेकिन मि.लेले अब बनने जा रही हैं। वरुण धवन बाहर हो गए हैं और उनकी जगह विक्की कौशल ने ली है। किआरा आडवाणी फिल्म की हीरोइन होंगी। किआरा और विक्की इसके पहले 'लस्ट स्टोरीज' साथ कर चुके हैं। अब दोबारा फिल्म करने का मौका उन्हें मिला है। वैसे किआरा इन दिनों बेहद व्यस्त चल रही हैं। उनके हाथ में कई फिल्में हैं। भूलभुलैया 2, जुग जुग जियो, करम कुरम के बाद अब मिस्टर लेले भी अनाउंस हो गई है। इसके अलावा उनकी तीन-चार प्रोड्यूसर्स से भी बात चल रही है।

हेक्टिक वर्क शेड्यूल की मानसिक रूप से कर रही हूं तैयारी

अभिनेत्री वाणी कपूर की अगले कुछ महीनों में बैक-टू-बैक तीन फिल्में आने वाली हैं, इनमें 'बेल बॉटम', 'शमशेरा' और 'चंडीगढ़ करे आशिकी' शामिल हैं। वाणी का कहना है कि आने वाले महीनों में बेहद व्यस्ततापूर्ण प्रोमोशन शेड्यूल के लिए वह खुद को मानसिक तौर पर अभी से तैयार कर रही हैं। 'बेल बॉटम' 28 मई, 'शमशेरा' 25 जून और 'चंडीगढ़ करे आशिकी' 9 जुलाई को रिलीज होने वाली है। वाणी कहती हैं, ''तीन महीनों में मेरी एक के बाद तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं इसलिए मैं एक व्यस्ततापूर्ण दिनचर्या के लिए खुद को मानसिक रूप से अभी से तैयार कर रही हूं क्योंकि मुझे 'बेल बॉटम', 'शमशेरा' और 'चंडीगढ़ करे आशिकी' इन फिल्मों के लिए लगातार प्रचार करना होगा। मुझे नहीं लगता है कि अगले पांच महीनों में मेरे पास खुद के लिए पांच मिनट भी होंगे, हालांकि मैं शिकायत बिल्कुल भी नहीं कर रही हूं।''

श्रीदेवी के बाद सिर्फ मैं ही करती हूं कॉमेडी

कंगना रनौत ने दावा किया है कि दिवंगत सुपरस्टार श्रीदेवी के बाद वह एकमात्र अभिनेत्री हैं जो सही मायने में कॉमेडी करती हैं। गुरुवार को उनका दावा हिट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तनु वेड्स मनु की रिलीज के 10 साल होने पर आया। एक ट्वीट के जवाब में कंगना ने लिखा, ''मैं सतही/विक्षिप्त भूमिकाओं में फंस गई थी। इस फिल्म ने मेरे करियर के आयाम बदल दिए। यह मेनस्ट्रीम में मेरी एंट्री थी और वह भी कॉमेडी के साथ। क्वीन और दतो ने मेरे कॉमिक टाइमिंग को मजबूत किया और मैं अकेली ऐक्ट्रेस बन गई, जिसने लिजेंड्री श्रीदेवी के बाद कॉमेडी की।''

कई बार आइटम नंबर करने से मना किया

अभिनेत्री मोनिका डोगरा ने 2011 में बॉलीवुड डेब्यू फिल्म धोबी घाट से अपनी पहचान बनाई थी। फिल्म का निर्देशन किरण राव ने किया था। हालांकि, कुछ अन्य रिलीज के बावजूद, वह वास्तव में कभी भी उद्योग में पैर जमाने में कामयाब नहीं हो पाई। डेविड (2013) और तेरा सुरूर (2016) जैसी कुछ फिल्मों में नजर आने के बाद, मोनिका वेब श्रृंखला, द मैरिड वुमन में फिर से नजर आएंगी। मोनिका कहती हैं कि जिस तरह से महिलाओं को बॉलीवुड फिल्मों में ऑब्जेक्टिफाई किया गया है, उन्हें यह कभी पसंद नहीं आया। उन्होंने विशेष रूप से डांस नंबर के बारे में कहा, ''आइटम गीत मेरे लिए नहीं है। मैंने कई बार कहा है। मैं व्यक्तिगत रूप से एक महिला को वस्तु के रूप में पेश किया जाना पसंद नहीं करती हूं। मुझे लगता है कि हम उससे बहुत अधिक हैं।'' उनकी आगामी श्रृंखला एक अर्बन रिलेशनशीप ड्रामा है, जिसमें समाज की ओर से महिला पर थोपी गई शर्तो के बारे में दर्शाया गया है। श्रृंखला का निर्देशन साहिर रजा ने किया है और इसे एल्ट बालाजी और जी5 पर प्रसारित किया जाएगा।

अर्जुन रामपाल ने पूरी की 'धाकड़' फिल्म की शूटिंग

अभिनेता अर्जुन रामपाल ने अपनी आने वाली एक्शन फिल्म 'धाकड़' के लिए शूटिंग पूरी कर ली है। कंगना रनौत अभिनीत इस फिल्म में वह नेगेटिव किरदार में हैं। अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की पूरी टीम के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसे उन्होंने ''वन हेल ऑफ ए फिल्म'' का कैप्शन दिया है। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, ''बेहद शानदार। उन टीमों में से एक जिनके साथ काम कर मुझे बेहद मजा आया। शुक्रिया दोस्तों, अगले शेड्यूल तक आप सबको बहुत मिस करूंगा। हैशटैगरुद्रवीर एक पागलपन वाला किरदार है। हैशटैगधाकड़ एक बेहद रोमांचक फिल्म है।'' अर्जुन पिछले कुछ महीनों से भोपाल में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। 'धाकड़' एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जिसमें दर्शक कंगना को एजेंट अग्नि के रूप में देख सकेंगे। रजनीश रैजी घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म के 1 अक्टूबर को रिलीज होने की संभावना है।

नई फिल्म में पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी प्राची देसाई

बॉलीवुड अभिनेत्री प्राची देसाई पहली बार एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी। यह रोल वह अपनी आगामी फिल्म 'साइलेंस कैन यू हियर इट' में निभाने जा रही हैं। उनका कहना है कि ये किरदार मजबूत और उत्साही है। फिल्म में अपने किरदार को लेकर प्राची ने बताया, ''इंस्पेक्टर संजना एक हत्या का रहस्य सुलझाती है। वह ऐसी ऑफिसर है, जो आसानी से पीछे नहीं हटती है। वह बहुत मजबूत और अपने काम के लिए समर्पित है। वह मनोज बाजपेयी द्वारा निभाए गए किरदार एसीपी अविनाश वर्मा से प्रभावित है और उनके जैसा बनना चाहती है। दर्शकों ने मुझे पहले कभी ऐसी भूमिका में नहीं देखा है। लिहाजा मैंने उनकी प्रतिक्रियाएं जानने के लिए बहुत बेसब्र हूं।'' इस फिल्म में अर्जुन माथुर और साहिल वैद भी हैं। फिल्म इसी साल मार्च में जी5 पर रिलीज होने की संभावना है।

सेमीफाइनल में आमने-सामने हो सकती हैं सिंधू और साइना

बासेल, (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू होने वाले स्विस ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट में पोडियम पर पहुंचने और पूर्व चैंपियन साइना नेहवाल लय हासिल करके दमदार वापसी करने पर ध्यान देंगी। भारत के पुरुष एकल खिलाड़ियों समीर वर्मा, एचएस प्रणय और किदाम्बी श्रीकांत ने भी क्रमशः 2018, 2016 और 2015 में यहां खिताब जीता था, जबकि बी साई प्रणीत पिछले सत्र में उप-विजेता रहे थे ये चारों खिलाड़ी 140,000 डालर इनामी प्रतियोगिता में अपने पुराने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करने वाले है। इस टूनार्मेंट से ओलंपिक क्वालीफाईंग प्रतियोगिताओं की बहाली भी होगी। यहां के सेंट जैकबशेल स्थल पर ही ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधू ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता था। यह कोविड-19 महामारी के व्यवधान से पहले उनका आखिरी खिताब था। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू पहले दौर में तुर्की की नेस्लीहान ईगिट से भिड़ेगी। यहां उनकी क्वार्टर फाइनल तक राह आसान लग रही है, लेकिन अंतिम 8 में उनका मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त थाई खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरंगफान से हो सकता है,जिस उन्होंने जनवरी में टोयोटा थाईलैंड ओपन में हराया था। 2 बार की पूर्व चैंपियन साइना भी सिंधू वाले हॉफ में ही है। सेमीफाइनल में ये दोनों भारतीय खिलाड़ी आमने-सामने हो सकती हैं। साइना को हालांकि इससे पहले कोरिया की छठी वरीयता प्राप्त सुंग जी ून और डेनमार्क की चौथी वरीयता मिया ब्लिचफेल्ट की चुनौती से पार पाना पड़ सकता है। लंदन ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता साइना पहले दौर में थाईलैंड की पिटायापोर्न चाइवान से भिड़ेगी जो विश्व जूनियर चैंपियनशिप की पूर्व कांस्य पदक विजेता है। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ओर चिराग शेट्टी की विश्व में 10वें नंबर की पुरुष युगल जोड़ी पर सभी की निगाह लगी रहेगी। युगल के नये कोच मैथियास बो की निगरानी में एक महीने तक अभ्यास करने के बाद यह दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी।

सात्विक और चिराग टोयोटा थाईलैंड ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। भारतीय जोड़ी का सामना पहले दौर में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर ग्रिमले और मैथ्यू ग्रिमले से होगा। सात्विक और अश्विनी पोनप्पा से भी पिछले टूनार्मेंट में अंतिम चार में पहुंचने के कारण उम्मीदें बंधी है, लेकिन उन्हें पहले दौर में ही इंडोनेशिया के हाफिज फैजल और ग्लोरिया इमानुएल विजाजा की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

पुरुष एकल में शुरू में समीर और श्रीकांत आमने सामने होंगे, जबकि प्रणय अपने अभियान की शुरूआत नीदरलैंड के मार्क कालिजोउ और सौरभ वर्मा स्विट्जरलैंड के क्रिस्टियन क्रिचमेयर के खिलाफ करेंगे। अजय जयराम का सामना थाईलैंड के सिटीकोम थम्मासिन से और पारुपल्लि कश्यप का स्पेन के पाब्लो एबियन से होगा। प्रणीत पहले दौर में इस्राइल के मिशा जिल्बरमैन से भिड़ने वाले है। चोट के कारण थाईलैंड की प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पाने वाले लक्ष्य सेन भी टूनार्मेंट से वापसी कर रहे है। उनका पहला मुकाबला थाईलैंड के तनोंगसाक सीनसोमबूनसुक से होगा। प्रणव जेरी चोपड़ा और एन सिक्की रेड्डी की मिश्रित युगल जोड़ी पहले दौर में इंग्लैंड के मार्कस एलिस और लॉरेन स्मिथ का सामना करेगी। एमआर अर्जुन ओर ध्रुव कपिला की जोड़ी व्लादीमीर इवानोव और इवान सुजोनोव की सातवीं वरीयता प्राप्त रूसी जोड़ी के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

इंडियानापोलिस में विंटर कप जिम्नास्टिक का अभ्यास करते एलन बावर।

ओरलैंड में एलपीजीए गोल्फ टूर्नामेंट में शॉट खेलती हुई गोल्फर नेली कोर्डा।

विवियन रिचर्ड्स ने पिच की आलोचना करने वाले इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान विवियन रिचर्ड्स ने भारत और इंग्लैंड के बीच नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में हुए डे-नाइट टेस्ट की पिच की आलोचना करने वालों को आड़े हाथ लिया है। उनके निशाने पर इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हैं, जो मोटेरा की पिच को टेस्ट क्रिकेट के लायक नहीं बता रहे। रिचर्ड्स ने इन्हें जवाब देकर कहा कि अगर उन्हें मौका मिलता,तब वहां चौथे टेस्ट में भी ऐसी ही पिच बनाते।

रिचर्ड्स ने कहा कि मुझसे हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे और तीसरे टेस्ट को लेकर सवाल पूछा गया। मुझे हकीकत में इस सवाल को लेकर थोड़ी दुविधा है, क्योंकि ये मुकाबले जिस विकेट पर हुए , उस लेकर बहुत हो-हल्ला मच रहा है, पिच को कोसा जा रहा है। मुझे लगता है कि जो लोग पिच का रोना रो रहे हैं। मेरी राय में उन्हें यह एहसास होना चाहिए कि कई बार आपको सीमिंग ट्रैक मिलते हैं। जिस पर गेंद गुड लेंथ से उछाल लेते हुए आती है, और कई बार बल्लेबाजों को इससे जूझना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब आपको इसका दूसरा पहलू देखना होगा और मुझे लगता है कि यही वजह है इसे टेस्ट मैच क्रिकेट नाम दिया गया था। दरअसल, इस फॉर्मेट में खेलते वक्त आपकी इच्छाशक्ति और मानसिक मजबूती का टेस्ट होता है। अगर आप शिकायत करते हैं कि विकेट टर्निंग है,तब यह सिक्के का दूसरा पहलू है। लोग यह भूल जाते हैं कि अगर आप भारत जा रहे हैं,तब आपको ऐसी ही पिच की उम्मीद करनी चाहिए। आपको यह जानने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए कि आप वहां क्या करने जा रहे हैं।

पूर्व दिग्गज ने कहा कि तीसरा टेस्ट जल्दी खत्म हो जाने के बाद इंग्लैंड टीम के पास ये मौका था कि वहां पिच का रोना रोने की बजाय अपनी कमियों का आकलन कर ये मानकर चौथे टेस्ट की तैयारी करती कि इस मुकाबले में भी उस मोटेरा जैसा ही टर्निंग ट्रैक मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर मैं पिच तैयार करने के काम से जुड़ा रहता,तब चौथे टेस्ट में भी मोटेरा जैसी ही पिच बनाता। सीरीज के पहले टेस्ट के बाद से ही इंग्लैंड को कंफर्ट जोन से बाहर आना पड़ा है। इसी वजह से उसे परेशानी हो रही है। हालांकि, अगर उन्हें मुकाबला करना है तो इससे बाहर निकलना होगा।

आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी से पहले पृथकवास में रहेंगे इंग्लैंड के निशानेबाज

नई दिल्ली, (संवाददाता)। यहां 18-29 मार्च के बीच होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में भाग लेने आये इंग्लैंड के निशानेबाजों को कोरोना महामारी को देखते हुए सात दिन तक पृथकवास में रहना पड़ेगा।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अनुसार इंग्लैंड से आने वाले निशानेबाजों के लिए सात दिन के कड़े पृथकवास को लेकर महासंघ को सकारात्मक जवाब मिला है।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने विदेशों से आने वाले यात्रियों के लिए हाल में ताजा निशानिर्देश जारी किए। इसमें विशेष रूप से इंग्लैंड, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका से आने वाले यात्रियों पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है जहां वायरस का अधिक गंभीर प्रकार सामने आया है।

सरकार ने अपने नवीनतम दिशानिर्देश में कहा है कि आगमन पर कोविड-19 नेगेटिव आने के बाद इन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को सात दिन के कड़े पृथकवास से गुजरना होगा।

इससे पहले भारत दौरे पर आई इंग्लैंड की क्रिकेट टीम को भी सात दिन के पृथकवास से गुजरना पड़ा था। उसी को देखते हुए निशाने बाजों को भी 14 की जगह 7 दिनों के पृथकवास की अनुमति दि गयी है।

राइफल, पिस्टल और शॉटगन निशानेबाजों के संयुक्त विश्व कप का आयोजन डॉ. कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में आयोजित किया जाएगा। अब तक 40 से अधिक देशों ने अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) के इस टूनार्मेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि की है।

टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं वरुण

नई दिल्ली, (संवाददाता)। मिस्ट्री स्पिनर के नाम से लोकप्रिय वरुण चक्रवर्ती को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में शायद ही अवसर मिले। भारत और इंग्लैंड के बीच आगामी 12 मार्च से टी20 सीरीज खेली जाएगी। टी20 सीरीज के लिए टीम में वरुण को भी शामिल किया गया है पर अब ये कहा जा रहा है कि इस स्पिनर को बाहर किया जा सकता है क्योंकि वह बीसीसीआई के नए फिटनेस टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वरुण बीसीसीआई के नये फिटनेस टेस्ट में उम्मीद के अनुरुप नहीं रहे। बीसीसीआई के नए टेस्ट में 2 किमी की दौड़ 8.5 मिनट और यो-यो टेस्ट में कम से कम 17.1 स्कोर लाना होता है हालांकि इस खिलाड़ी को अभी तक बीसीसीआई ने किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी है।

लगता है कि भाग्य वरुण का साथ नहीं दे रहा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे से भी ठीक पहले वह चोटिल हो गये थे और उन्हें बाहर कर दिया गया था। पिछले पांच महीने में यह दूसरी बार होगा जब उनकी जगह खतरे में पड़ रही है। वरुण ने पिछले सत्र में केकेआर के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम इंडिया में जगह मिली थी। चोट लगने के बाद वरुण को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में रखा गया था। वरुण अभी कोलकाता नाइट राइडर्स के कैंप में अभ्यास कर रहे हैं। वरुण को तमिलनाडु ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी जबकि वरुण ने तमिलनाडु के लिए एक फर्स्ट क्लास मैच और 9 लिस्ट ए मैच खेले हैं।

अंतिम टेस्ट के लिए जमकर अभ्यास कर रही भारतीय टीम

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां 4 मार्च से मोटेरा स्टेडियम में मेहमान टीम इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले चौथे ओर अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच की तैयारियों में लगी हुई है। भारती टीम ने इसी मैदान पर हुए दिन-रात्रि के तीसरे टेस्ट में दस विकेटों से शानदार जीत दर्ज की थी उसी के बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। इस प्रकार भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और उसे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए केवल एक ड्रॉ की ही जरुरत है। ऐसे में टीम इंडिया का लक्ष्य इस टेस्ट को जीतना या कम से कम ड्रॉ पर रोकना रहेगा। भारतीय टीम अगर फाइनल में पहुंचती है तो यहां उसकी टक्कर न्यूजीलैंड से होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर टीम की अभ्यास करती हुई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और कप्तान विराट कोहली बल्लेबाजी का अभ्यास करते दिख रहे हैं जबकि युवा स्पिनर अक्षर पटेल गेंदबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा उपकप्तान अजिंक्य रहाणे फील्डिंग कर रहे हैं।

हवा में एक हाथ से कैच पकड़ते दिखे हार्दिक

नई दिल्ली, (संवाददाता)। ऑलराउंडर खिलाड़ी हार्दिक पंड्या को इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज में अब तक खेलने का अवसर नहीं मिला है हालांकि वह अपनी ओर से पूरी तैयारी में हैं। हार्दिक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है, इसमें वह गंभीरता से अभ्यास में लगे हैं। हार्दिक ने अपना अंतिम टेस्ट मैच साल 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था. इसके बाद से ही वह फिटनेस की परेशानी के कारण संघर्ष करते रहे हैं। साल 2019 में उन्होंने कमर की सर्जरी भी करवाई थी, जिसके बाद से ही वह काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहे थे। इसके बाद उन्होंने खेल में वापसी की पर गेंदबाजी से दूर रहे। अब पंड्या इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान टीम इंडिया के फील्डिंग कोच आर श्रीधर के साथ जमकर फील्डिंग का अभ्यास कर रहे हैं। इसी कड़ी में पंड्या का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक पंड्या दौड़कर आते हुए एक हाथ से शानदार कैच लपकते है। पंड्या का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और प्रशंसक भी इसे खासा पसंद कर रहे हैं।

इससे पहले अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव के साथ एक डांस वीडियो भी साझा किया था। इस वीडियो में ये तीनो खिलाड़ी मशहूर तमिल फिल्म मास्टर के वाथी कमिंग गाने पर डांस रहे थे। यह वीडियो काफी मजेदार था। इसमें अभ्यास सत्र के दौरान अश्विन और पंड्या डांस की शुरूआत करते हैं और इसके बाद कुलदीप यादव इन दोनों के साथ जुड़ जाते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 4 मार्च से शुरू होगा। इससे पहले इसी स्थल पर खेला गया डे नाइट टेस्ट मैच केवल दो दिन में खत्म हो गया था, जिसमें भारत ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी।

भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को 6-1 से हराया

क्रेफेल्ड, (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने जर्मनी को 6-1 से हराकर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में शानदार वापसी की है। इससे पहले कोरोना वायरस महामारी के कारण करीब एक साल से अंतराष्ट्रीय टूनार्मेंट रुके हुए थे। भारतीय टीम की जीत में युवा खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद की अहम भूमिका रही। विवेक के एक मिनट के अंदर किये गये दो गोल से टीम को अजेय बढ़त मिली।

विवेक ने 27वें और 28वें मिनट पर गोल किये। विवेक के अलावा, नीलकांत शर्मा ने 13 वें मिनट, ललित उपाध्याय ने 41 वें मिनट, आकाशदीप सिंह ने 42 वें मिनट और हरमनप्रीत सिंह ने 47 वें मिनट में गोल किया। भारतीय टीम ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल के साथ ही विरोध टीम जर्मनी पर दबाव बनाया। भारत की ओर से पहले क्वार्टर के 13वें मिनट में नीलकांत शर्मा ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद जर्मनी के कांटेस्टाइन स्टैब ने बराबरी का गोल किया। वहीं दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही मेजबानों ने भारत पर दबाव बनाने के साथ ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

भारतीय टीम के मिडफील्डर विवेक ने 27वें और 28वें मिनट में दो गोल किये। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर में भी भारत पर दबाव बनाये रखा और टीम ने छह पेनल्टी कार्नर हासिल किये पर गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के हमलों को नाकाम कर दिया। भारतीय अग्रिम पंक्ति के खिलाडिों ललित और आकाशदीप ने 41वें और 42वें मिनट में दो गोल किये। आखिरी क्वार्टर में मैच के 47 मिनट में भारतीय टीम पेनल्टी कार्नर हासिल करने में सफल रही और इस बार हरमनप्रीत ने कोई गलती नहीं कि जिससे टीम की बढ़त 6-1 की हो गई।

शुभमन की जगह मयंक को मिलेगा मौका

अहमदाबाद, (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अब 4 मार्च से यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेंगे। शुभमन पिछले दो टेस्ट मैचों में नाकाम रहे हैं। और ऐसे में सलामी बल्लेबाज के तौर पर मयंक अग्रवाल को शामिल करने की मांग उठ सकती है। शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दोरे में अच्छा पदर्शन किया था पर यहां वह पिछली 6 पारियों में केवल एक बार ही अर्धशतक लगा पाये हैं। वहीं दूसरी ओर मयंक का घरेलू मैदान पर प्रदर्शन अच्छा रहा है।

शुभमन ने घरेलू सीरीज में अच्छी शुरूआत करते हुए चेन्नई में हुए पहले टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने 29 रन बनाए थे। वहीं दूसरी पारी में 50 रन बनाये थे। इसके बाद शुभमन अगली चार पारियों में रन नहीं बना पाये हैं। चेन्नई में हुए दूसरे टेस्ट में वह 0 और 14 रन ही बना सके। मोटेरा में हुए तीसरे टेस्ट में शुभमन एक बार फिर नाकाम रहे थे। पहली पारी में आर्चर की शॉर्ट बॉल पर वे खाता खेले बिन ही आउट हुए। वहीं दूसरी पारी में वे 15 रन बनाकर नाबाद रहे। टेस्ट करिअर की बात की जाए तो शुभमन ने 6 टेस्ट में 38 की औसत से 378 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक शामिल है।

वहीं मयंक को ऑस्ट्रेलिया में पहले दो टेस्ट में पारी की शुरूआत का अवसर मिला था पर वह नाकाम रहे थे। वह चार पारियों में 17, 9, 0, 5 रन ही बना सके। खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम टेस्ट में भी मयंक उतरे पर उन्हें 5वें नंबर पर मौका मिला। उन्होंने इस टेस्ट में 38 और 9 रन की ही पारी खेल सके।

रोहित शर्मा के कारण अजिंक्य रहाणे के योगदान को अनदेखा किया गया

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर रोहित शर्मा ने चार टेस्ट मैच की सीरीज में अब तक सुर्खियां बटोरी हैं, इसकारण अजिंक्य रहाणे के योगदान को अनदेखा कर दिया गया। नंबर 5 के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की कप्तानी कर भारत को सीरीज में 2-1 से ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान एडिलेड में हुए पहले टेस्ट मैच में विराट कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया बुरी तरह हार गई थी, लेकिन इसके बाद अजिंक्य रहाणे ने शतक लगाकर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टीम को वापसी कर दी। वह पूरी सीरीज में अच्छी कप्तानी करते रहे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लगातार दूसरी बार जीतने के बाद भारत का मुकाबला इंग्लैंड के साथ हो रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में कप्तान विराट कोहली ने वापसी की। पहले दो मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में हुए थे। पहले टेस्ट मैच में भारत को 227 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने 317 रनों से जीत हासिल की। मैच में रहाणे ने 67 रन की अहम पारी खेली। रोहित के साथ रहाणे ने टीम को मजबूती की स्थिति में पहुंचाया।

पहला टेस्ट हारने के बाद दूसरे टेस्ट में भारत ने पहले सेशन में तीन विकेट पर 86 रन बनाए। रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे ने चौथे विकेट के लिए 162 रन की भागीदारी की। इस भागीदारी ने मैच का नक्शा बदल दिया। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 112 और 27 नाबाद के बाद रहाणे ने 22, 4, 37 और 24 रन ऑस्ट्रेलिया में बनाए थे। भारत में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने क्रमशः 1, 0, 67, 10 और 7 रन की पारियां अब तक खेली हैं। अजिंक्य रहाणे की परफॉर्मेंस पर कोच प्रवीण आमरे ने कहा, यह की पिचें मुश्किल हैं, यहां आपको बहुत शतक बनते दिखाई नहीं देगा। पिछले 8 टेस्ट मैचों में कोई भारतीय शतक नहीं बना पाया। उन्होंने कहा, कम शतकों का अर्थ है कि पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं है। हम कह सकते हैं कि दूसरे टेस्ट की पारियां अहम हैं, खासतौर पर रोहित के साथ रहाणे की भागीदारी। यही पारियां जीत की ओर ले जाती हैं। हमेशा ऐसा नहीं होता कि आप बड़ा स्कोर करें। वहीं, भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी उप कप्तान अजिंक्य रहाणे का समर्थन किया।

इटली में अल्पाइन स्की मुकाबले में महिला विश्व कप मुकाबले में भाग लेती हुई स्विटजरलैड की लारा, इटली की फैडरीका और स्विटजरलैंड की कोरीनर।